दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
SINCE 2005
www.asliazadi.com
असली आज़ादी
दमण, गुरूवार 29 अगस्त 2024, विशेष अंक

प्रशासक प्रफुल पटेल के 68वें जन्मदिन को संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के नागरिकों ने 68 सेवाकीय कार्यों के साथ मनाया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/सिलवासा/दीव 29 अगस्त। संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल के 68वें जन्मदिन को संघ प्रदेश के नागरिकों ने 68 सेवाकीय कार्यों के साथ मनाया। आज सुबह से ही दमण-दीव एवं दादरा नगर हवेली में स्वच्छता अभियान, राशन किट वितरण, टिफीन बॉक्स वितरण, कंबल वितरण, हेलमेंट वितरण, तिथि भोजन, स्वास्थ जांच, गौ सेवा, अस्पतालों में फूट वितरण, छात्रों को शैक्षणिक किट वितरण, रक्त दान, मंदिरों में पूजा एवं महाआरती सहित अनेक सेवा कार्यों को नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। सभी ने प्रशासक प्रफुल पटेल के दिर्घायू एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। साथ ही साथ पिछले 8 वर्षों में प्रशासक प्रफुल पटेल द्वारा प्रदेश के लिए किए गए असंभव कार्यों के लिए आभार जताया। दमण की पॉलिकैब कंपनी द्वारा बिल्डिंग निर्माण से जुडे हुए श्रमिकों को टीफिन और मिठाई बांटी गयी। प्रदेश भाजपा सचिव जिज्ञेश पटेल एवं सरपंच हिताक्षी पटेल द्वारा हेलमेंट वितरण, गौ शाला में पशु आहार दान, तिथि भोजन तथा गायों को वाहन चालकों से सुरक्षित रखने के लिए रेडियम बेल्ट सहित विभिन्न सेवा कार्य किये गये। पूर्व सांसद लालू पटेल एवं तरुणा पटेल द्वारा राशन किट वितरित की गई। दमण जिला पंचायत सदस्य फाल्गुनी पटेल और उनकी टीम द्वारा दमण के कई मंदिरों में विशेष पूजा की गई। दानह जिला पंचायत सदस्य निशा भावर द्वारा विशेष पूजा, तिथि भोजन, साडी वितरण सहित विभिन्न सेवाकीय कार्य किये गये। स्टेपअप फाउंडेशन प्रेसिडेंट विशाल टंडेल और उनकी टीम द्वारा अस्पतालों में फूट वितरण, तिथि भोजन सहित सेवाकीय कार्य किये गये। सिलवासा म्युनिसिपल के पूर्व प्रेसिडेंट राकेशसिंह चौहाण और उनकी टीम द्वारा दिव्यांग बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राकेशसिंह चौहाण ने एसएमसी के सफाई कर्मियों को टीफिन बॉक्स भेंट किये और तिथि भोजन भी खिलाया। दिलीपनगर डेवलपमेंट एसो. प्रेसिडेंट लखम टंडेल और उनकी टीम द्वारा सफाई अभियान और वृक्षारोपण किया गया। जिला पंचायत सदस्य वर्षिका पटेल द्वारा छोटे बच्चों के साथ जन्मदिन मनाने के साथ-साथ वृद्ध महिलाओं को मोबाइल गिफ्ट दिया गया। भाजपा उपाध्यक्ष महेश आगरिया द्वारा कंबल वितरित किये गये। दमण की प्रसिद्ध सार्वजनिक विद्यालय और श्रीनाथजी विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। डीएमसी प्रेसिडेंट अस्पी दमणिया और उनकी टीम ने सफाई कामदारों को भेंट दी। दमण जिला पंचायत प्रमुख जागृति पटेल और उनकी टीम ने सफाई कामदारों को राशन किट भेंट की। दादरा नगर हवेली की सभी पंचायतों के सफाई कामदारों को साडी भेंट की गई। दीव में भी जरुरतमंद महिलाओं को साडी एवं टीफिन बॉक्स भेंट किये गये। कुल मिलाकर आज का दिन पूरी तरह सेवा संकल्प और समर्पण से भरा रहा। दुनेठा में सरपंच सविता पटेल और भाजपा ओबीसी मोर्चा जनरल सेक्रेटरी भरत पटेल ने तिथि भोजन का आयोजन किया था। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को राशन किट भी बांटे। कचीगाम सरपंच भरत पटेल और जिला पंचायत सदस्य दिनेश धोडी ने भी तिथि भोजन का आयोजन किया था और उन्होंने भी सफाई कर्मचारियों को राशन किट बांटे थे। दाभेल में सरपंच हेमाक्षी पटेल ने तिथि भोजन का आयोजन किया था। घेलवाड सरपंच हिताक्षी पटेल ने स्कूल के बच्चों को तिथि भोजन कराया था। दमणवाडा सरपंच मुकेश गोसावी ने भी तिथि भोजन का आयोजन किया था। प्रदेश के तीनों जिलों की सरकारी स्कूलों में आयोजित तिथि भोजन में सरपंचों, जिला पंचायत सदस्यों ने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसा था। दीव में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के अधिकारियों ने एक साथ मिलकर कई कार्यक्रम किए। दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमने के नेतृत्व में दीव जिला पंचायत प्रमुख रामजी भीखा, उपप्रमुख लक्ष्मी मोहन, दीव म्युनिसिपल प्रमुख हेमलता सोलंकी सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न सेवा अभियानों में अपना योगदान दिया।

असली आज़ादी

● दमण, गुरूवार 29 अगस्त 2024, विशेष अंक

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन पर संघ प्रदेश के तीनों जिलों में सेवाकीय कार्यों की बाढ

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

www.asliazadi.com

असली आज़ादी

SINCE 2005

■ वर्ष: 19, अंक: 298 ■ दमण, गुरुवार 29 अगस्त 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संघ प्रदेश थ्रीडी में प्रशासक प्रफुल पटेल के शासन के 8 साल पूरे : शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अनेक विषयों पर प्रदेश बना आत्मनिर्भर

■ पिछले 8 सालों में प्रशासक प्रफुल पटेल ने ग्राउंड जीरो पर बहाया है पसीना : सरकारी मेडिकल एवं इंजीनियरिंग कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, निफ्ट, लॉ यूनिर्वसिटी, आईआईटी कैंपस, पैरा मेडिकल कोर्स, आंगणवाडियों और सरकारी विद्यालयों का नवीनीकरण के कारण शिक्षा के क्षेत्र में आई क्रांति ■ स्वास्थ्य के क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज के स्थापना के साथ नए अस्पतालों का निर्माण, आयुष्मान मंदिर के कारण हजारों लोगों को घर के पास मिल रही है स्वास्थ्य सुविधाएं ■ पर्यटन विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, सीएसआर के तहत गरीबों को सीधी मदद, सख्त कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सुरक्षा के कारण संघ प्रदेश थ्रीडी को दिलाई है नई पहचान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त।

पीएम मोदी ने पूरे देश के संघ शासित प्रदेशों के लिए राजनीतिक नियुक्ति का निर्णय लेते हुए अपने गुजरात के साथी गृहमंत्री रहे प्रफुल पटेल को प्रदेश की कमान सौंपी थी। आज ही के दिन 29 अगस्त 2016 को प्रफुल पटेल ने संघ प्रदेश के प्रशासक के रुप में कमान संभाली थी। पिछले 8 वर्षों में पीएम मोदी के सीधे मार्गदर्शन में प्रफुल पटेल ने इस संघ प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन विकास, सख्त कानून व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा, अंत्योदय के तहत गरीब एवं जरुरतमंदों को सरकारी योजनाओं के साथ-साथ सीएसआर के तहत सीधी मदद जैसे कई कार्य किये। जिसके कारण जो काम आजादी के बाद 2016 तक नहीं हुआ था ऐसे असंभव काम केंद्रीय नेतृत्व के आशीर्वाद से प्रशासक प्रफुल पटेल ने कर दिखाया है। संघ प्रदेश की कमान संभालने के साथ प्रशासक प्रफुल पटेल ने लगातार 6 महीने तक ग्राउंड जीरो का दौरा कर संघ प्रदेश थ्रीडी अब तक विकास से वंचित क्यों रहा उसका रिपोर्ट कार्ड निकाला। संघ प्रदेश के छात्र उच्च शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर थे। आजादी के दशकों के बाद संघ प्रदेश में एक मेडिकल कॉलेज और एक इंजीनियरिंग कॉलेज भी न होना आश्चर्य की बात थी। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी के कुशल मार्गदर्शन में प्रशासक प्रफुल पटेल ने प्रदेश के हजारों छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए संघ प्रदेश में ही उच्च शिक्षा की सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। पिछले 8 सालों के प्रशासक प्रफुल पटेल के शासन में संघ प्रदेश थ्रीडी में सरकारी मेडिकल कॉलेज, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, सरकारी नर्सिंग कॉलेज, सरकारी निफ्ट, लॉ यूनिर्वसिटी, आईआईटी कैंपस, पैरा मेडिकल कोर्स सहित उच्च शिक्षा की सभी सुविधाएं हमारे संघ प्रदेश में उपलब्ध हो चुकी है। प्रदेश की आंगणवाडियों का नवनिर्माण कर नंदघर के रुप में तब्दील किया गया है। प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्कूलों का निर्माण किया गया है और 20 करोड रुपये की लागत से अन्य सरकारी स्कूलों का भी निर्माण कुछ समय में शुरु होने वाला है। स्वास्थ्य की बात करें तो मरवड में 300 बेड की भव्य सरकारी अस्पताल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सिलवासा में 600 बेड की श्री विनोबा भावे सिविल अस्पताल का भी कार्य प्रगति पर है। दीव में सरकारी अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। तीनों जिलों में आयुष्मान मंदिर (प्राथमिक आरोग्य केंद्र) का निर्माण किया गया है। जिसका हजारों लोग लाभ ले रहे है। पर्यटन की बात करें तो दमण में राम सेतू और नमो पथ ऐसे दो भव्य सी-फ्रंट रोड का निर्माण किया गया है जो देश-विदेश में प्रसिद्ध हो चुका है। आज हजारों पर्यटक अरब सागर के किनारे बने सी-फ्रंट रोड को देखने के लिए आते है। इसी तरह दीव और दादरा नगर हवेली में विभिन्न सौंदर्यीकरण के प्रोजेक्ट अंतिम चरण में है। 2016 में प्रशासक के रुप में कमान संभालने के साथ उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया था कि वे अपनी मर्जी से आए है और अपनी मर्जी से टास्क पूरा होने के बाद ही जायेंगे। कुछ दिन पहले 15 अगस्त 2024 को स्नेहमिलन कार्यक्रम में भी इस बात को प्रशासक प्रफुल पटेल ने दोहराया था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि काम पूरा होने के बाद सभी को एक न एक दिन जाना ही होता है। लेकिन जो लोग तबादले की बार-बार भविष्यवाणी कर रहे है उन्हें अब भविष्यवाणी करने वाला तोता बदलने की जरुरत है। खैर औपचारिक रुप से विभाजित संघ प्रदेश में प्रफुल पटेल के प्रशासक के रुप में 8 साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है और आज से 9वें साल में प्रवेश कर रहे है। संभावना है कि पीएम मोदी द्वारा दिए गए आखिरी टास्क को पूरा करके ही प्रफुल पटेल नई जिम्मेदारी निभाने के लिए जायेंगे। तब तक जो प्रोजेक्ट प्रगति पर है उसे पूरा कर संघ प्रदेशवासियों के हवाले करेंगे। उनके 8 साल के कालखंड को आने वाले दशकों तक याद किया जायेगा।

प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन भाजपा सचिव जिज्ञेश पटेल और सरपंच हिताक्षी पटेल ने सेवाकीय कार्यों के साथ मनाया

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा सचिव जिज्ञेश पटेल ने प्रशासक प्रफुल पटेल के 68वें जन्मदिन पर 68 महिला और 68 पुरुषों को बांटे हेलमेट : गौ सेवा भी की ■ सरपंच हिताक्षी पटेल ने स्मीरा जिज्ञेश पटेल के साथ अपने निवासस्थान पर चॉल के बच्चों के साथ केक काटा और तिथि भोजन का भी किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल का 68वां जन्मदिन संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा सचिव जिज्ञेश पटेल एवं घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल ने सेवाकीय कार्यों के साथ मनाया। दोनों राजनीतिक दंपत्ति ने परंपरा को इस वर्ष भी जारी रखते हुए विभिन्न सेवाकीय कार्यों के साथ प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन को यादगार बनाया। भाजपा सचिव जिज्ञेश पटेल ने प्रशासक प्रफुल पटेल के 68वें जन्मदिन पर 68 महिला एवं 68 पुरुषों को हेलमेट बांटे। उन्हें सुरक्षित रहने के लिए हेलमेट पहनने का आग्रह किया। जिज्ञेश पटेल ने आज गौ शाला में पशु आहार भी भीजवाया था। इस अवसर पर उन्होंने गाय के बछडों को पशु आहार खिलाकर गौ सेवा भी की थी। जिज्ञेश पटेल ने सडकों के आस-पास घूमने वाली गायों के लिए रेडियम बेल्ट भी मंगवाये थे। कई गायों को उन्होंने अपने हाथों से रेडियम बेल्ट पहनाया था। शाम को सरपंच हिताक्षी पटेल द्वारा अपने निवासस्थान पर चॉल के बच्चों के साथ प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर बच्चों के हाथों केक भी कटवाया और प्यार से तिथि भोजन भी खिलाया था। जिज्ञेश पटेल ने अपने हाथों से खाना परोसा था। इस अवसर पर स्मीरा जिज्ञेश पटेल, टीया नलीन पटेल भी उपस्थित रही थी। उन्होंने भी बच्चों को केक खिलाया था।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन पर दमण के जानी वांकड में गौ माता के लिए गौ वन प्रोजेक्ट का हुआ प्रारंभ

■ प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व में जानी वांकड़ में हो रहा है गौ वन प्रोजेक्ट ■ 3 से 4 एकड में गायों को खुले में स्वतंत्र विचरण की मिलेगी सुविधा ■ इस गौ वन को गौ अभ्यारण के रुप में आम जनता के लिए खोला जायेगा : जनता को गौ अभ्यारण में खुले वन में 500 से ज्यादा गायों को देखने का मिलेगा मौका

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन पर दमण के जानी वांकड में गौ माता के लिए गौ वन प्रोजेक्ट का प्रारंभ किया गया है। 26 जनवरी 2023 को प्रशासक प्रफुल पटेल के करकमलों से जानी वांकड में जो गौ शाला का उद्घाटन किया गया था उसी के बाजू में 3 से 4 एकड बिना उपयोग की भूमि उपलब्ध थी। प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में दमण प्रशासन ने इस भूमि जो कि पेड और पौधों से भरी हुई है उसे गायों के लिए गौ वन के रुप में विकसित करते हुए उसके चारों और फैंसिंग की दीवार बनाने का कार्य आज से शुरु किया गया। इस गौ वन के कारण गाय अपने आप को खुले वन में ही रहने जैसा महसूस करेगी। इस परियोजना का कार्य आज से शुरु किया गया है। गौशाला के विस्तार के बाद इस क्षेत्र में 500 से अधिक गायों के निवास और स्वतंत्र विचरण के लिए स्थान उपलब्ध होगा। इस परियोजना से न केवल गौ संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि स्थानीय समाज में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। इस पहल के माध्यम से प्रशासन ने पर्यावरण और पशु कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशासन इस गौ वन को गौ अभ्यारण की तरह विकसित कर रहा है। जो फिर आम जनता के लिए खोला जायेगा। एक साथ 500 से अधिक गायों को गौ वन में स्वतंत्र रुप से विचरण करते देखने का जनता को अवसर भी मिलेगा। उल्लेखनीय है कि गत दिनों दलवाड़ा स्थित एक गौशाला में हादसा हो गया था जिसके चलते सैकड़ों गौवंशों की जान चली गई थी। इसी क्रम में प्रशासक प्रफुल पटेल ने 15 अगस्त 2024 को राजकीय कार्यक्रम में खुले मंच से सभी को गौवंशों की सेवा में आगे आने हेतु आह्वान किया था जिसके परिणाम स्वरूप आज गौ शाला के साथ गौ वन बनने का रास्ता साफ हो रहा है।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन को राकेशसिंह चौहाण ने सेवा ही संकल्प के साथ मनाया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। प्रशासक प्रफुल पटेल के 68वें जन्मदिन को सिलवासा म्युनिसिपल के पूर्व प्रेसिडेंट राकेशसिंह चौहाण ने सेवा ही संकल्प सूत्र के साथ मनाया। राकेशसिंह चौहाण ने रेड क्रोस स्कूल के दिव्यांग बच्चों के साथ केक काटा और बच्चों को प्यार से तिथिभोजन कराया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को उपहार भी दिये। राकेशसिंह चौहाण ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपने शहरी क्षेत्र के सफाई कर्मचारियों के लिए तिथिभोजन का आयोजन किया था। उन्होंने अपने हाथों से सफाई कर्मचारियों को भोजन कराया और उपहार भी दिये। इस अवसर पर एसएमसी की टीम भी उपस्थित रही।

सुप्रीम कोर्ट ने सीएम सोरेन के करीबी को दी जमानत

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि 'जमानत नियम और जेल अपवाद है' का सिद्धांत पीएमएलए के तहत धन शोधन के मामलों पर लागू होता है। शीर्ष अदालत यह निर्णय तब आया, जब धन शोधन के मामले में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के कथित सहयोगी प्रेम प्रकाश को जमानत देकर हाई कोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने फिर कहा कि भारतीय न्याय प्रक्रिया में जमानत नियम है और हिरासत यानी कैद अपवाद है। यह नियम धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) में भी लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस भूषण आर गवई, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्र और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि कानून की समुचित प्रक्रिया का पालन करते हुए ही किसी नागरिक को आजादी के बुनियादी अधिकार से वंचित नहीं रख सकते है। पीएमएलए के तहत हिरासत के दौरान कोई आरोपी जांच अधिकारी के सामने कोई अपराध स्वीकार कर बयान देता है, तब कोर्ट में सबूत नहीं माना जाएगा। प्रेम प्रकाश को जमानत देकर सुप्रीम कोर्ट ने उनकी लंबी कैद और बड़ी संख्या में गवाहों के कारण मुकदमे में हुई देरी को भी ध्यान में रखा। जस्टिस गवई और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि आप नेता मनीष सिसोदिया मामले में दिए गए फैसले पर भरोसा कर कहा है कि पीएमएलए में भी जमानत एक नियम है और जेल अपवाद है। व्यक्ति की आजादी हमेशा नियम है और कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के तहत बचना अपवाद है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हमारा मानना ??है कि अगर अपीलकर्ता के बयान अपराध सिद्ध करने वाले पाए गए तब उन पर धारा 25 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल में पंजाबी को दूसरी भाषा बनाने की मांग, पूर्व सीएम चन्नी बोले- मैं मुख्यमंत्री सुक्खू से मिला, विचार करने का दिया आश्वासन

जालंधर। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से पंजाब के पूर्व सीएम और जालंधर लोकसभा सीट से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने दो दिन पहले मुलाकात की थी। ये मुलाकात हिमाचल प्रदेश के शिमला में हुई थी। इस मुलाकात का मकसद पंजाबी भाषा को बढ़ावा देना था। कांग्रेस पार्टी से संबंध रखने वाले दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच पंजाबी भाषा को हिमाचल प्रदेश की दूसरी भाषा के तौर पर पहचान देने को लेकर चन्नी ने मुख्य मंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से चर्चा की है। इसे लेकर आज पूर्व सीएम और जालंधर से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने जानकारी सांझा की है। चन्नी ने कहा- हिमाचल प्रदेश में बड़ा तबका ऐसा जो पंजाबी भाषी है, जिसके चलते राज्य में पंजाब भाषा को दूसरी भाषा के तौर पर दर्जा दिया जाना चाहिए।

बिहार में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन कर रहे ये काम.... सालों रहेगा याद

पटना। केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह बिहार में ऐसा काम करने जा रहे हैं, जिसकी चर्चा हमेशा होगी। दरअसल पटना में 10 से 12 सितंबर तक सभी राज्यों के पंचायती राज विभागों की एक बड़ी बैठक होने वाली है। इसमें 27 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों के 800 से ज्यादा लोग हिस्सा लेने वाले है। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में पंचायतों को बेहतर बनाने के नए तरीकों पर चर्चा होगी। बता दें, बिहार में इस तरह की कार्यशाला पहली बार हो रही है। इसका उद्घाटन केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह करने वाले है। बिहार के पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने बताया कि अब तक छह राज्यों पंजाब, महाराष्ट्र, केरल, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर और आंध्र प्रदेश में अलग-अलग विषयों पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हो चुका है। पटना में हो रही इस सातवीं कार्यशाला का विषय है- सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत। इस कार्यशाला में अलग-अलग राज्यों में पंचायतों को मज़बूत बनाने के लिए किए जा रहे कामों और नए प्रयोगों के बारे में बताया जाएगा। इसके लिए वीडियो के जरिए प्रेजेंटेशन भी दिखाया जाएगा। कार्यशाला में गरीबी, स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, सफाई और महिला सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर पंचायतों के प्रतिनिधि चर्चा करने वाले है।

ऑनलाइन गेम के कर्ज में फंसने के बाद रेलवे के स्टेशन मास्टर ने फांसी लगाई

उज्जैन । जल्द अमीर बनने का लालच इन दोनों मौत का कारण बन रहा है। सरकार 28त्न जीएसटी वसूल करने के चक्कर में जुआ खिलाने की अनुमति ऑनलाइन दे रही है। इसमें जुआ कंपनियों को तो बड़ा फायदा हो रहा है। लेकिन सैकड़ो परिवारों के ऊपर हर माह मौत का साया मंडरा रहा है। उज्जैन के विक्रम नगर रेलवे स्टेशन के उप स्टेशन प्रबंधक देवेंद्र प्रधान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह ऑनलाइन क्रिकेट गेम मे लाखों रुपए के कर्ज में आ गए। पिछले तीन-चार महीने से सूदखोर कर्ज की वसूली का दबाव बना रहे थे। रेलवे की सरकारी नौकरी होते हुए भी उन्हें ऑनलाइन गेम खेलने के कारण आत्महत्या कर अपने जीवन को समाप्त कर लिया है। कर्ज को लेकर वह अपने दोस्तों के साथ लगातार चिंता व्यक्त करते थे। पुलिस ने आत्महत्या का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि वह परिजनों के बयान लेने के बाद ही आत्महत्या किस कारण से की गई है। इसको बता पाएगी।

जन्माष्टमी पर मटकी फोड़ते समय मानव पिरामिड टूटा, 60 गोविंदा घायल

-महाराष्ट्र में दही हांडी उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है

मुंबई। महाराष्ट्र में जन्माष्टमी के अवसर पर दही हांडी उत्सव के दौरान हादसा हो गया। मटकी फोड़ने के लिए बनाए मानव पिरामिड के अचानक टूटने से कई गोविंदा एक-दूसरे पर गिर गए, जिससे वहां हड़कंप मच गया। इस हादसे में 60 से ज्यादा गोविंदा घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ को सिर में चोट आई, कुछ को फ्रैक्चर और कई के हाथ-पैर कुचले गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 20 से ज्यादा लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। आठ गंभीर घायलों को इन्य अस्पतालों में रेफर किया गया है। मुंबई नगर निगम के मुताबिक अलग-अलग हादसों में करीब दो सौ से ज्यादा गोविंदा घायल हुए हैं। महाराष्ट्र में जन्माष्टमी के अवसर पर दही हांडी उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दौरान ऊंचाई पर बांधी गई हांडी (मटकी) को तोड़ने के लिए प्रतिभागी मानव पिरामिड बनाते हैं। प्रतियोगिता का हिस्सा बनने के लिए टीमें कई दिनों तक अभ्यास करती हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया में हादसे भी होते हैं। दही हांडी उत्सव के दौरान होने वाली प्रतियोगिताओं में सबसे पहले हांडी तोड़ने वाले गोविंदा को इनाम दिया जाता है। हांडी में दही, दूध, फल, और ड्राई फ्रूट भरे होते हैं, जो टूटने के बाद प्रसाद के रूप में बांटे जाते हैं। हालांकि, इस साल के उत्सव में हुए हादसे ने उत्साह को गमगीम कर दिया।

हिमाचल में बेटियों की शादी की उम्र अब 21 साल

शिमला। हिमाचल प्रदेश में अब तक लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल है। लेकिन राज्य सरकार ने इसे अब 3 साल बढ़ाते हुए 21 साल कर दिया है। इससे पहले सुक्खू कैबिनेट ने 7 महीने पहले ही संशोधित ड्राफ्ट को मंजूरी दे दी थी और अब सदन में इसे पारित किया गया है। सुक्खू सरकार ने मॉनसून सत्र के पहले बेटियों की शादी की उम्र न्यूनतम 21 साल करने का विधेयक पेश किया। मंगलवार को सदन की कार्यवाही के दौरान बिना किसी विरोध के यह विधेयक पास हो गया। हालांकि, अब इसे राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। जानकारी के अनुसार, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र का मंगलवार को आगाज हुआ। इस दौरान हिमाचल प्रदेश बाल विवाह प्रतिषेध विधेयक-2024 सदन में पेश करने के बाद पारित कर दिया गया। सूबे के स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री धनीराम शांडिल ने बाल विवाह प्रतिषेध (हिमाचल प्रदेश संशोधन विधेयक, 2024) विधानसभा के पटल पर रखा। इस दौरान इस पर कोई चर्चा नहीं हुई और यह विधेयक सर्वसम्मति से पास हो गया।

आदिवासी बाहुल्य पालघर क्षेत्र में बीजेपी की स्थित मजबूत, लोकसभा चुनाव जीतकर दिया

मुंबई (एजेंसी)। पालघर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र महाराष्ट्र के 48 लोकसभा क्षेत्र में से एक है। जहां हाल ही में संपन्न हुए 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के हेमंत हेमंत सावरा ने शिवसेना के राजेंद्र गावित से यह सीट छीनी है। 12 जुलाई 2002 को गठित परिसीमन आयोग की सिफारिशों के बाद यह निर्वाचन क्षेत्र 19 फरवरी 2008 को अस्तित?व में आया। 2009 में यहां पर पहली बार संसदीय चुनाव लड़ा गया। यह नवनिर्मित पालघर जिले का मुख्यालय भी है। प्रदेश की राजधानी मुंबई से यह क्षेत्र करीब 115 किलोमीटर दूर है, जबकि राष?ट्रीय राजधानी नई दिल?ली से 1351 किलोमीटर दूर है।

पालघर लोक सभा क्षेत्र पूरी तरह से पालघर जिले के अंतर्गत ही आता है। जो दहानु, विक्रमगढ़, पालघर, बोईसर, नालासोपारा और वसई विधानसभा क्षेत्रों से मिलकर बना है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण इसकी चार विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। 2019 के चुनाव में तीन सीट बहुजन विकास अघाड़ी के खाते में गई थीं। तो वहीं, सीपीआई, एनसीपी और शिवसेना को एक-एक सीट पर जीत हासिल हुई थी। सीपीआई के देश में कुछ गिने-चुने गढ़ों में से दहानु विधानसभा क्षेत्र भी एक है। जो अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है। इस क्षेत्र से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के विनोद निकोले विधायक हैं। इससे पहले यह सीट भारतीय जनता पार्टी के पास्कल धनारे चुनाव जीतने में सफल रहे थे।

महाराष्ट्र में 2008 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आया विक्रमगढ़ विधानसभा क्षेत्र पूरी तरह से पालघर जिले के

अंतर्गत ही आता है। यह क्षेत्र भी अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है। जहां से अजित पवार के गुट वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के

सुनील भुसारा वर्तमान में विधायक हैं। उनके पहले यहां से बीजेपी लगातार दो बार चुनाव जीत चुकी है। इस लोकसभा क्षेत्र की पालघर विधानसभा सीट के मतदाताओं ने शिवसेना पर अपनी विशेष कृपा लगातार बनाकर रखी हुई है। पालघर विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना 1990 के बाद से सिर्फ एक बार ही चुनाव हारी है। जहां 2009 में उसे कांग्रेस के राजेंद्र गवित ने मात दी थी। वर्तमान में इस सीट से पार्टी के नेता श्रीनिवास बंगा विधायक हैं।

बहुजन विकास अघाड़ी का पालघर लोकसभा क्षेत्र की बोईसर विधानसभा सीट पर लगातार 15 साल से जीत का परचम लहरा रहा है। इस क्षेत्र में पहली बार 2009 के चुनाव में मतदान हुआ था। जिसके बाद से बहुजन विकास अघाड़ी के अलावा दूसरी कोई पार्टी जीतने में नाकाम ही रही है। राजेश पाटिल फिलहाल इस क्षेत्र से विधायक हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में 132 नंबर से जाने जानी वाली नालासोपारा विधानसभा सीट भी 2008 के परिसीमन के बाद से ही अस्तित्व में आई है। जहां से बहुजन विकास अघाड़ी के क्षितिज ठाकुर लगातार तीन बार से विधायक चुने जा रहे हैं। पालघर लोक सभा क्षेत्र की वसई विधानसभा सीट भी बहुजन विकास अघाड़ी के सबसे प्रभावशाली क्षेत्रों में से एक है। जहां वर्तमान में पार्टी के नेता हितेंद्र ठाकुर विधायक हैं। विधायक ठाकुर इससे पहले भी 1990 से लेकर 2009 तक इस क्षेत्र का राज्य की विधानसभा में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

मंकीपॉक्स के खतरे को लेकर आरटी-पीसीआर किट तैयार, अब भारत में भी होगी जांच

नई दिल्ली। इन दिनों मंकी पॉक्स का खतरा पूरी दुनिया में मंडरा रहा है। कई देशों में फैल चुका मंकी पॉक्स को डब्ल्यूएचओ ने सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। इस वायरस का नया स्ट्रेन (क्लैड-1) ज्यादा संक्रामक है और इसकी मृत्यु दर भी ज्यादा है। इस बीमारी से निपटने के लिए भारत ने अपनी स्वदेशी आरटी-पीसीआर परीक्षण किट तैयार की है। इसे केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा अनुमोदित किया है। सीमेंस हेल्थिनियर्स द्वारा आईएमडीएक्स मंकीपॉक्स डिटेक्शन आरटी-पीसीआर परख को सीडीएससीओ से विनिर्माण की मंजूरी मिल गई है। यह मेक इन इंडिया पहल के लिए एक अहम उपलब्धि है। आईएमडीएक्स मंकीपॉक्स डिटेक्शन आरटी-पीसीआर परख का निर्माण वडोदरा में आणविक निदान विनिर्माण इकाई में किया जाएगा, जिसकी हर साल एक मिलियन प्रतिक्रियाओं की विनिर्माण क्षमता है। फैक्ट्री किट उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। आईएमडीएक्स मंकीपॉक्स डिटेक्शन आरटी-पीसीआर परख एक अभूतपूर्व आणविक निदान परीक्षण है जो वायरल जीनोम में दो अलग-अलग क्षेत्रों को लक्षित करता है, जो वायरस के क्लेड-द्ब और क्लेड-द्बद्ब दोनों प्रकारों में फैला है। यह कई वायरल उपभेदों में गहन पहचान सुनिश्चित करता है, जिससे व्यापक परिणाम मिलते हैं। सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरिहरन सुब्रमण्यन ने कहा कि सटीक और सटीक निदान की जरुरत ज्यादा अहम हो गई है। उन्होंने कहा कि भारत को मंकीपॉक्स से निपटने के लिए विशेष रूप से तैयार किए उन्नत परख किट उपलब्ध कराकर, हम इससे लड़ने में सक्रिय रुख अपना रहे हैं और त्वरित और सटीक पहचान को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो वास्तव में जीवन बचाने में अहम भूमिका निभा सकता है। ये किट देखभाल तक पहुंच में सुधार लाने पर हमारे फोकस का प्रमाण हैं और ये परख किट उस लक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम है।

सिखों के निशाने पर कंगना: इमरजेंसी फिल्म का किया विरोध

- कहा-भिंडरावाले ने कभी नहीं की खालिस्तान की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के बयान हों या फिर फिल्म, कहीं न कहीं विवादों में आ ही जाते हैं। हाल ही में उनकी फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज हुआ है,इसको लेकर सिख समुदाय भड़क गया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी(एसजीपीसी) ने सिखों के चरित्र और इतिहास को गलत तरीके से पेश करने के आरोप में कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया है कि कट्टरपंथी सिख उपदेशक जरनैल सिंह भिंडरावाला और सिख समुदाय के किसी अन्य व्यक्ति ने कभी खालिस्तान की मांग नहीं की है। यह फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित है, जिनके शासन काल में 1975 में भारत में आपातकाल लगाया गया था। बता दें कि इंदिरा गांधी की जीवनी पर आधारित इस फिल्म में कंगना रनौत इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। वह इस फिल्म की निर्माताओं में भी शामिल हैं। फिल्म का ट्रेलर 14 अगस्त को रिलीज हुआ था और फिल्म के 6 सितंबर को रिलीज होने की उम्मीद है।

एसजीपीसी के कानूनी सलाहकार एडवोकेट अमनबीर सिंह सियाली द्वारा भेजे गए नोटिस में फिल्म निर्माताओं से फिल्म से सिख विरोधी भावनाओं को दर्शाने वाले दृश्यों को हटाने के लिए कहा गया है। ट्रेलर को सार्वजनिक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने के साथ-साथ सिख समुदाय से लिखित माफी मांगने की भी मांग की गई है। एसजीपीसी ने कहा, ऐसे दृश्य दिखाए गए हैं जिनमें सिख पोशाक में कुछ किरदारों को असॉल्ट राइफलों से लोगों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया है। नोटिस में कहा गया है कि ऐसा कोई सबूत या रिकॉर्ड नहीं है जो साबित करता हो कि भिंडरावाले ने कभी किसी से ऐसे शब्द कहे हों। एसजीपीसी ने नोटिस में कहा है कि फिल्म सिख भावनाओं को ठेस पहुंचाने और सिख धर्म के बारे में गलत शिक्षा देने का एक साधन साबित होगी। नोटिस में कहा गया है कि फिल्म में सिख धर्म के इतिहास के काले दिनों को दिखाया गया है।

किसानों का देशव्यापी प्रदर्शन 31 को

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कंगना रनौत से अपने बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की बात कही है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा का केवल अभिनेत्री के बयान से किनारा करना काफी नहीं है, क्योंकि वह पार्टी की सांसद भी हैं। भाजपा को कंगना के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। पंधेर ने कहा, कंगना के बयान के विरोध में किसान 31 अगस्त को देशव्यापी प्रदर्शन करेंगे। इससे पहले किसान आंदोलन को लेकर कंगना के विवादास्पद बयान को लेकर जहां आम आदमी पार्टी ने हरियाणा के कई शहरों में प्रदर्शन किया, तो वहीं कांग्रेस ने हमला बोला। कंगना की टिप्पणी को लेकर हिमाचल प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने हमला बोला है। उन्होंने कहा, कंगना द्वारा दिया गया बयान उनके बौद्धिक दिवालियापन को दर्शाता है। सिंह ने कहा, कंगना ने जो बयानबाजी किसानों के ऊपर की है और किसान आंदोलन में चीन और अमेरिका का हाथ होने की संभावना जताई है। ये दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कंगना पर निशाना साधते हुए उम्मीद जताई कि वह अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगेंगी और भाजपा इस पर खेद व्यक्त करेगी।

राजनीति में शामिल होने के लिए विनेश फोगाट पर बनाया जा रहा दबाव ?

जींद (एजेंसी)। जीन्द के खटकड़ टोल प्लाजा पर सम्मान समारोह में शामिल हुई विनेश फोगाट ने कहा, 'पॉलिटिक्स में शामिल होने के लिए बहुत प्रेशर है, लेकिन वह अपने बड़े बुजुर्गों से बातचीत के बाद फैसला लेंगी'। इस दौरान जब विनेश से कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष संजय सिंह के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। विनेश फोगाट ने कहा कि विवादित सवाल ना पूछो, संजय सिंह कौन है मैं नहीं जानती हूं। बता दें कि संजय सिंह ने कहा था कि विनेश फोगाट राजनीति ना करें। इस बीच कुश्ती से संन्यास लेने के बारे में जब विनेश से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि जब मेरा मन क्लीयर होगा तो उस दिन सोचूंगी, आगे क्या करना है।

बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच चर्चित महिला पहलवान विनेश फोगाट ने राजनीति में एंटर होने के संकेत दिए हैं। हालांकि, विनेश ने सीधे तौर पर नहीं कहा है, लेकिन बात को थोड़ा टाल दिया। हरियाणा के जींद में आयोजित सम्मान समारोह में विनेश पहुंची थी।कुश्ती और राजनीति में शामिल होने के बात पर भी विनेश ने पत्रकारओं से हंसते हुए कहा कि आप बताओ क्या करना है? हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि वह दोनों काम करेंगी। जींद में सम्मान

समारोह के दौरान विनेश ने किसान आंदोलन को लेकर भी बयान दिया। विनेश ने कहा कि जींद किसान आंदोलन का सेंटर था और किसानों के प्रति सरकार के रवैये की वजह से उन्हें रोना आता था। उधर, किसानों ने भी हमेशा मेरा साथ दिया है। वह जींद की बेटी हैं और इस पर उन्हें गर्व है।

चार दिन में छोड़ दें असम, बाहरी मुसलमानों को मिल रही धमकी

-हिंदी भाषियों के खिलाफ 30 संगठन सड़क पर उतरे

गुवाहाटी (एजेंसी)। नागांव दुष्कर्म मामले के बाद असम में अलग-अलग जगह बच्चियों और महिलाओं से यौन शोषण और छेड़छाड़ की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें हिंदी भाषी बाहरी आरोपी है। स्थानीय लोगों ने इसे अस्मिता का मुद्दा बना लिया है। ऊपरी असम के दस जिलों में मियां और मारवाड़ी समेत हिंदी भाषी बाहरियों के खिलाफ 30 संगठन सड़क पर उतर आए हैं। वह घर-घर जाकर दस्तक दे रहे हैं और मियांओं को असम छोड़ने की धमकी दे रहे हैं। इस मुहिम को 29 संगठनों का समर्थन मिला हुआ है, इनमें मुस्लिम संगठन, ऊपरी असम मुस्लिम कल्याण परिषद, असम सम्मिलित मुस्लिम परिषद भी शामिल हैं। असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा है, राज्य को मियां भूमि नहीं बनने दूंगा।

शिवसागर समेत सभी दस जिलों में पुलिस ने सामुदायिक तनाव फैलाने वालों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। इनके खिलाफ ऑपरेशन बॉन्ड शुरू किया गया है, जिसमें इन्हें नोटिस जारी हो रहे हैं। बीर लचित सेना, जातीय संग्रामी सेना, अखिल असम अनुसूचित जाति छात्र संस्था, ताई आहोम चरत्र समेत 27 संस्था प्रतिनिधियों को नोटिस मिल चुके हैं।

30 जातीय संगठनों ने एक मुस्लिम कांग्रेसी विधायक अब्दुल रशीद मंडल के शिवसागर जिले में घुसने पर पाबंदी लगा दी है। संगठन सीएम के उस बयान के बाद सड़कों पर उतर आया है जिसमें सीएम सरमा ने कहा था कि असम में लोकसभा चुनाव के बाद जिन क्षेत्रों में कांग्रेस ने अपना वोट शेयर बढ़ाया, वहां एक विशेष समुदाय को इतना साहस मिला कि वह अपना दबदबा बनाना चाहते हैं और महिलाओं पर अत्याचार इसी का परिणाम है।

'याद रखें अगर बंगाल जला तो कई और राज्य भी जलेंगे', ममता के बयान पर बवाल, सुकांत मजूमदार ने अमित शाह को लिखा पत्र

कोलकाता, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आज (28 अगस्त) कोलकाता में हिंसा की वकालत करने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा। उन्होंने दावा किया कि सीएम बनर्जी ने कोलकाता में टीएमसी के एक कार्यक्रम में एक सभा को 'बेशर्मी से उकसाया'। गृह मंत्री को लिखे पत्र में, भाजपा नेता ने कहा कि मैं आज कोलकाता में टीएमसी के छात्र विंग को अपने संबोधन के दौरान सीएम ममता बनर्जी द्वारा दिए गए हालिया बयानों की ओर आपका तत्काल ध्यान आकर्षित करने के लिए लिख रहा हूं, जहां उन्होंने बेशर्मी से सभा को उकसाते हुए घोषणा की, 'मैंने कभी बदला नहीं लिया, लेकिन अब, जो करना है वह करो किया गया।'

सुकांत मजूमदार ने कहा कि यह राज्य के सर्वोच्च पद से बदले की राजनीति के खुले समर्थन से कम नहीं है। वह बेशर्मी से देश विरोधी टिप्पणी करते हुए कहती हैं, 'याद रखें, अगर बंगाल जलेगा तो असम, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली भी जलेंगे। भाजपा नेता ने शांति को बढ़ावा देने और हिंसा को रोकने के लिए लोक सेवकों के मौलिक कर्तव्य पर जोर दिया और शाह से स्थिति से निपटने के लिए

त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शांति को बढ़ावा देना और किसी भी प्रकार की हिंसा को हतोत्साहित करना प्रत्येक लोक सेवक, विशेष रूप से ऐसे उच्च प्राधिकारी पद पर बैठे किसी व्यक्ति का मौलिक कर्तव्य है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री का रुख चिंताजनक है और पश्चिम बंगाल के नागरिकों की सुरक्षा और राज्य की अखंडता को कमजोर करता है।

उन्होंने शाह से मामले का संज्ञान लेने और उचित कार्रवाई शुरू करने को कहा। मजूमदार ने कहा कि मैं आपसे सम्मानपूर्वक आग्रह करता हूं कि आप इस गंभीर मामले का संज्ञान लें और स्थिति को संबोधित करने और कानून के शासन को बनाए रखने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित कार्रवाई शुरू करें। मैं पश्चिम बंगाल के नागरिकों के हितों की रक्षा और हमारे राष्ट्र के संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए आपकी त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की आशा करता हूं। पश्चिम बंगाल में 31 वर्षीय डॉक्टर के बलात्कार और हत्या मामले पर बढ़ते तनाव के बीच, बनर्जी ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि याद रखें, अगर बंगाल जलेगा तो असम, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली भी जलेगा।

आदमखोर भेड़ियों के खौफ में जी रहे 70 हजार ग्रामीण, 6 बच्चों को मार चुका भेड़ियां

बहराइच (एजेंसी)। मैं अपने 7 साल के बेटे अयांश के साथ रात में आंगन में सो रही थी। तभी भेड़िया कब बच्चे को उठा ले गया, मुझे पता भी नहीं चला। जब नींद खुली तब देखा कि बेटा गायब था। घरवालों के साथ रातभर बेटे को खोजती रही, लेकिन नहीं मिला। सुबह गांव वालों ने बताया कि बेटे का शव खेत में पड़ा है। बेटे का पूरा सिर भेड़िया खा गया।

यह बातें रोती-बिलखती अयांश की मां रोली ने कही। वह बहराइच के खैरीघाट में रहती हैं। 48 घंटे में भेड़िए के हमले से यहां 2 लोगों की मौत हुई है। 47 दिन में भेड़ियों का झुंड 6 बच्चों सहित 7 लोगों का शिकार कर चुका है।

बहराइच की महसी तहसील में भेड़ियों का खौफ है। भेड़ियों का आतंक पहले 25 गांव से में ही था, लेकिन दो दिन में यह बढ़कर 35 गांव तक पहुंच गया। भेड़ियों का खौफ इतना है कि गांव वाले

लाठी-डंडे लेकर रातभर पहरेदारी कर रहे हैं। वन और पुलिस विभाग के करीब 200 कर्मचारी खेतों और जंगलों में भेड़ियों की तलाश में जुड़े हैं। महसी से विधायक सुरेश्वर सिंह ने खुद बंदूक लेकर भेड़िए की तलाश की, लेकिन हमले के बाद भेड़िए जंगल में भाग जाते हैं।

आदमखोर भेड़ियों का शिकार बच्चे ज्यादा हो रहे हैं। इसके पहले 21 अगस्त की रात इसतरह की घटना गडरिया गांव में हुई थी। दादी और उसके दो जवान बेटों के बीच 8 साल की पोती खुशबू सो रही थी। रात करीब 11 बजे आदमखोर भेड़िए ने चुपके से हमला कर खुशबू को दबोच कर भाग गया। परिवार के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले वह आंखों से ओझल हो गया। रात भर पूरा गांव बच्ची की तलाश करता रहा। सुबह 1 किलोमीटर दूर उसकी लाश मिली। उसके शरीर का करीब 60 फीसदी हिस्सा खा गए थे। बहराइच की महसी तहसील के हरदी और खैरीघाट इलाके में 35 से ज्यादा गांव हैं, जहां करीब 70 हजार की आबादी है। ये लोग आदमखोर भेड़ियों के खौफ में जी रहे हैं। ज्यादातर गांव घाघरा नदी के किनारे बसे हैं। नदी के किनारे जंगल-झाड़ियां हैं। इसमें भेड़िए छिपे रहते हैं।

पूरे इलाके में भेड़ियों का आतंक इस कदर है कि लोग रातभर सो नहीं पा रहे। ग्रामीणों ने बताया, 8-10 भेड़िए इस इलाके में घूम रहे हैं, जो मौका मिलते ही हमला करते हैं। कुलैला, मक्कापुरवा, भटौली, नकवा, कुम्हारन पुरवा में रात को बिजली जाने के बाद सन्नाटा पसर जाता है। खौफ में जी रहे लोग बच्चों को अकेला नहीं छोड़ रहे, रात को टोली बनाकर पहरा देते हैं। भेड़िया 6 बच्चों की जान ले चुका है, एक महिला को भी शिकार बनाया है।

दीव में अनेक सेवा कार्यों के साथ प्रशासक प्रफुल पटेल का मनाया गया जन्मदिन

■ प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन पर दीव के जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों तथा प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 28 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव के सतत विकास के लिए सदैव समर्पित, अपार ऊर्जा के धनी एवं कर्मठ प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन के अवसर पर दीव के जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों तथा प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के तरफ से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी गई। सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की ईश्वर से कामना की। प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन की वर्षगांठ के अवसर पर संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव में अनेक जनकल्याण संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दीव में जनप्रतिनिधियों, नागरिकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा गंगेश्वर मंदिर एवं वणाकबारा स्थित खोडियार माता मंदिर में पूजा अर्चना की गई। सभी ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास एवं प्रशासक के स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन हेतु कामना की। प्रशासक के उत्तम स्वास्थ्य और लंबे जीवन के लिए दीव के युवा जन प्रतिनिधियों एवं नागरिकों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। इस अवसर पर दीव प्रशासन की अगुवाई में वणाकबारा में गोमतीमाता बीच तथा बुचरवाड़ा में पावती जेट्टी पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों एवं दीव के नागरिकों ने सक्रियता से हिस्सा लिया। सभी पंचायत क्षेत्रों में भी सरपंचों एवं उनके सदस्यों द्वारा स्वच्छता अभियान भी चलाया गया ।साथ ही घोघला स्थित मीठाबाबा बीच पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।गौशालाओं में गायों को चारा घास इत्यादि खिलाया गया ।दीव के विभिन्न स्कूलों में तिथि-भोजन का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत बच्चों को भोजन के साथ मिठाई एवं फल इत्यादि प्रदान किए गए। सभी आंगणवाड़ियों में फलों का वितरण किया गया। इसी अनुक्रम में दीव प्रशासन तथा दीव नगरपालिका परिषद द्वारा श्रमिकों को राशन किट तथा दीव नगरपालिका के स्वच्छता प्रहरियों को मिठाई के साथ-साथ 171 टिफिन बॉक्स, फ्लोरेंश जैकेट, रेनकोट इत्यादि वितरित किए गए। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर दीव समाहर्ता भानु प्रभा, अपर जिलाधीश डॉ. विवेक कुमार तथा उप समाहर्ता शिवम मिश्रा की उपस्थिति में प्रशासन के स्वास्थ्य विभाग द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर दीव समाहर्ता भानु प्रभा, अपर जिलाधीश डॉ. विवेक कुमार, काउंसिलर विपुल सोलंकी तथा अन्य युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया और जनकल्याण में अपना योगदान दिया। साथ ही दीव के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी इस रक्त शिविर में सक्रियता से हिस्सा लेते हुए रक्तदान किया। इसके साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र वणाकबारा में नागरिकों के मुफ्त स्वास्थ्य जांच हेतु विशेषज्ञ शिविर का आयोजन किया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के अनुभवी नेत्र, बाल एवं जनरल सर्जन चिकित्सकों द्वारा नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सुविधा प्रदान की गई ।प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन की वर्षगांठ के अवसर पर दीव प्रशासन द्वारा दीव के मछुआरें भाईयों को लाईफ जैकेट, फ्लोरेंश जैकेट, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 100 साड़ियां, सूर्योदय आवास योजना के लाभार्थियों को 100 कंबलों का वितरण किया गया। साथ ही दीव के अस्पतालों में मरीजों को फलों का वितरण भी किया गया। उल्लेखनीय है कि अपनी दूरदृष्टि तथा सक्षम नेतृत्व से संघ प्रदेश के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाले प्रशासक प्रफुल पटेल ने अपने कार्यकाल में अनेक बड़े आयोजनों को संभव बनाया है और संघ प्रदेश का नाम न केवल भारत में बल्कि विश्व पटल पर रोशन किया है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव प्रगति के पथ पर अग्रसर है एवं विकास के कई नए आयाम हासिल किए हैं। उनकी प्रभावशाली कार्यशैली एवं अथक प्रयासों के फलस्वरुप संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव में विकास की अनेक परियोजनाएं पूर्ण हुई है और अनेक परियोजनाओं पर काम चल रहा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि प्रशासक प्रफुल पटेल के सक्षम नेतृत्व में संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव के विकास की तस्वीर बहुत तेजी से बदली है। समस्त दीव वासी उनके जन्मदिन के अवसर पर उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की मंगल कामना करते हैं ।

जम्मू-कश्मीर चुनाव से नये दौर की उम्मीद

ललित गर्ग

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेगी। मतदाता जहां ज्यादा जागरूक दिखाई दे रहा है, वहीं राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चतुर बने हुए दिख रहे हैं।

जम्मू एवं कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव कराने की चुनाव आयोग की घोषणा निश्चित ही लोकतंत्र की जड़ों को मजबूती देने के साथ क्षेत्र के लिए विकास के नए दौर के द्वार खोलने का माध्यम बनेगी। जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें 43 जम्मू और 47 कश्मीर की सीटें हैं, इन चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग सक्रिय रूप से भाग लेकर और बड़ी संख्या में मतदान कर ऐसी सरकार बनाये जो शांति और विकास के नये द्वार उद्घाटित करते हुए युवाओं के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करे एवं आतंकमुक्ति का एक नया अध्याय रचे। आज सबकी आंखें एवं कान चुनावी सरगर्मियों एवं भविष्य के गर्भ में ईवीएम से निकलने वाले जनादेश पर लगी हैं। ये चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। इस बार के चुनाव अब तक हुए चुनावों से अलग है और खास है।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामाकंन भरने की आज आखिरी तारीख है, लेकिन तमाम बड़ी पार्टियों के बीच असमंजस और अनिश्चितता जैसे खत्म होने का नाम नहीं ले रही। हालांकि कुछ हद तक इस तरह की अनिश्चितता हर चुनाव में होती है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के मामले में हालात सामान्य से ज्यादा जटिल हैं और इस असमंजस के पीछे उसकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। विपक्षी खेमे में माने जाने वाले राज्य के तीनों प्रमुख दलों में सहयोग और संघर्ष दोनों का दिलचस्प घालमेल दिख रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच सभी 90 सीटों पर गठबंधन की घोषणा कर दी गई है, लेकिन आलम यह है कि पहले चरण की 24 सीटों का भी बंटवारा मुश्किल साबित हो रहा। पीडीपी इस गठबंधन से बाहर है। फिर भी मुद्दों की एकरूपता के चलते न सिर्फ उमर अब्दुल्ला उससे अपनी पार्टी के खिलाफ प्रत्याशी न खड़ा करने को कह रहे हैं बल्कि खुद महबूबा भी कह चुकी हैं कि अगर उनके अजेंडे को स्वीकार किया गया तो गठबंधन का समर्थन करेंगी। भाजपा किसी बड़े दल के साथ गठबंधन में नहीं है, इसलिए वहां इस तरह की गफलत नहीं है, लेकिन निर्णय लेना और उसे लागू करना वहां भी जटिल बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर में दस वर्ष बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा को अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर उसे जिस तरह वापस लेना पड़ा, उससे उसकी छिछालेदार तो हुई ही है, अनुशासित दल की उसकी छवि को धक्का भी लगा। स्थिति यह है कि पार्टी ने सोमवार को 44 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने के थोड़ी ही देर बाद व्यापक विरोध के कारण उसे वापस ले लिया। इसके बाद जो सूची जारी की गई, उसमें 15 ही प्रत्याशियों

के नाम थे। यह आलम तब है, जब पहली सूची भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंजूर की गई थी।

यदि भाजपा औरों से अलग तथा अनुशासित दल की अपनी छवि के प्रति सचेत है तो उसे प्रत्याशी चयन की अपनी प्रक्रिया को लोकतांत्रिक आकार देना ही होगा। पहले जारी सूची का विरोध जिन कारणों से हुआ, उनमें एक तो दूसरे दलों से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाना रहा और दूसरे दोनों पूर्व उप मुख्यमंत्रियों का नाम न होना। लगता है भाजपा को अभी भी लोकसभा चुनावों में हुई गलतियों का आभास नहीं है। लोकसभा चुनाव में उसे दूसरे दलों के नेताओं को चुनाव मैदान में उतारने का किस तरह नुकसान उठाना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए जारी प्रत्याशियों की सूची का विरोध यह भी बताता है कि भाजपा प्रत्याशी चयन की कोई नीर-क्षीर, पारदर्शी और ऐसी प्रक्रिया का निर्माण नहीं कर सकी है, जिससे असंतोष, विरोध और भितरघात का सामना न करना पड़े। वैसे यह समस्या केवल भाजपा की ही नहीं, सभी दलों की है। कम से कम यह तो होना ही चाहिए कि राजनीतिक दल प्रत्याशियों के चयन में अपने जमीनी कार्यकताओं की राय को महत्व दें। यह कठिन कार्य नहीं, लेकिन हमारे राजनीतिक दल आंतरिक लोकतंत्र विकसित करने से बच रहे हैं।

चुनाव अभियान प्रारम्भ हो रहा है। प्रत्याशियों के नामांकन हो रहे हैं। सब राजनैतिक दल अपने-अपने ह्यघोषणा-पत्रह्ल को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बताकर सब समस्याएं मिटा देने तथा सब रोगों की दवा बन जाने की नैतिकता की बातें करते हुए व्यवहार में अनैतिकता को छिपायेंगे। टुकड़े-टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर एक होंगे। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षण व आवश्यकता बतायेंगे। इस बार दलों में जितना अन्दर-बाहर होता हुआ दिख रहा है, उससे स्पष्ट है कि चुनाव परिणामों के बाद भी एक बड़ा दौर असमंजस का चलेगा। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि ह्यअगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगेह्ल इसलिये प्रांत के लोगों को मतदान करते हुए विवेक का परिचय देना होगा।

इन चुनावों की जटिलता का अंदाजा इस बात से भी लगता है कि एक दशक पहले यानी 2014 में हुए विधानसभा चुनाव के समय अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जे से लैस जम्मू-कश्मीर अब विशेष राज्य के दर्जे से भी वंचित है। उस चुनाव में दो सबसे बड़ी और मिलकर सरकार बनाने वाली पार्टियां पीडीपी और भाजपा एक-दूसरे की धुर विरोधी हो चुकी हैं। राज्य में अब भाजपा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हिन्दू बहुल सीटों और कश्मीरी पंडितों के वोट बैंक को अपने खाते में डालने के इरादे से मैदान में उतर रही है और ऐसे में कांग्रेस की हालत खराब होना तय माना जा रहा है। भले ही सभी क्षेत्रीय पार्टियों ने भाजपा के साथ गठबंधन करने से इंकार कर दिया है, लेकिन भाजपा की मजबूत स्थिति को देखते हुए भविष्य में क्षेत्रीय दलों के भाजपा के साथ बहती हवा में जाने की संभावनाओं से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर एक राज्य के रूप में शुरू से विशिष्ट रहा है, इस दृष्टि से वहां होने वाले चुनाव भी विशेष एवं अन्य राज्यों से भिन्न है। बड़ी बात यह है कि पार्टियां एक-दूसरे के बारे में चाहे जो भी कहें, ये सभी भारतीय संविधान के तहत लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव में हिस्सेदारी कर रही हैं और जनादेश को भी स्वीकार करेंगी। निश्चित ही इन चुनाव परिणामों से उम्मीद जगी है कि यहां से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक विकास और शांति-समृद्धि-स्थिरता का नया दौर शुरू होगा। ऐसा होना ही इन चुनावों की सार्थकता है।

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेगी। मतदाता जहां ज्यादा जागरूक दिखाई दे रहा है, वहीं राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चतुर बने हुए दिख रहे हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें रखे हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ है। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा राज्य की एक करोड लाख पच्चीस लाख जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विकास एवं शांति की दिशा में। सभी नंगे खड़े हैं, मतदाता किसको कपड़े पहनाएगा, यह एक दिन के राजा पर निर्भर करता है। चुनाव घोषित हो जाने से तथा प्रक्रिया प्रारंभ हो जाने से जो क्रियाएं-प्रतिक्रियाएं हो रही हैं उसने ही सबके दिमागों में सोच की एक तेजी ला दी है। प्रत्याशियों के चयन व मतदाताओं को रिझाने के कार्य में तेजी आती जायेगी। परम आवश्यक है कि सर्वप्रथम राज्य का वातावरण चुनावों के अनुकूल बने। राज्य ने साम्प्रदायिकता, आतंकवाद तथा अस्थिरता के जंगल में एक लम्बा सफर तय किया है। उसकी मानसिकता घायल है तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। पुराने चेहरों पर उसका विश्वास नहीं रहा। अब प्रत्याशियों का चयन कुछ उसूलों के आधार पर होना चाहिए न कि जाति और जीतने की निश्चितता के आधार पर। मतदाता की मानसिकता में जो बदलाव अनुभव किया जा रहा है उसमें सूझबूझ की परिपक्वता दिखाई दे रही है। ये चुनाव ऐसे मौके पर हो रहे हैं जब राज्य लम्बे दौर की विभिन्न चुनौतियों से जूझने के बाद शांति एवं विकास की राह पर अग्रसर है।

संपादकीय

योगी की नसीहत

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समृद्धिकी पराकाष्ठा पर पहुंचने के लिए लोगों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा है कि बांग्लादेश में हुई गलतियां भारत में नहीं होनी चाहिए। आगरा में दुगार्दास राठौर की प्रतिमा के अनावरण के सिलसिले में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता, राष्ट्र तभी मजबूत होगा 'जब हम सब एकजुट रहेंगे।' दुगार्दास राठौर एक राजपूत सरदार थे, जिन्हें सत्रहवीं शताब्दी में मारवाड़. पर मुगलों के कब्जे की कोशिशों के खिलाफ प्रतिरोध का नेतृत्व करने के लिए जाना जाता है। योगी आदित्यनाथ ने आगाह करते हुए कहा, 'बंटेंगे तो कटेंगे।' 'एक रहेंगे, नेक रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे।' पिछले दिनों बांग्लादेश में सरकार के खिलाफ इस कदर हिंसक प्रदर्शन हुए कि लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित शेख हसीना की सरकार को उखाड़.फेंका गया। शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा और अपना देश भी छोड़ना पड़. गया। हालांकि इसके बाद भी पड़ोसी देश में हिंसा की घटनाएं जारी रहीं जिनमें हिन्दू अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हमले किए गए। इस घटनाक्रम के बाद भारत में भी कुछविपक्षी नेताओं ने इस तरह के बयान दिए कि भारत में भी ऐसा कुछघट सकता है। सरकार को सचेत रहना चाहिए। दरअसल, भू-राजनीतिक परिस्थितियां इतनी तेजी से बदल रही हैं कि तमाम देशों के परस्पर समीकरण बिगड़.रहे हैं। इसके चलते देशों के बीच तनाव चरम पर हैं, और तनावों व टकरावों के चलते विश्व के एक हिस्से में दो देश रूस-यूक्रेन युद्धरत हैं, तो इस्राइल और फिलिस्तीन में भी युद्ध चल रहा है। दोनों क्षेत्रों में हालात इस कदर खराब हैं कि जब-तब विश्व युद्ध का अंदेशा होने लगता है। हालात में यह खराबी किसी एक या दो देश तक सीमित रहने जैसा घटनाक्रम नहीं होता। वैश्विक आर्थिक हालात पर भी असर ड़ालता है। देशों के बीच खेमेबाजी बढ़ता है। बड़ी ताकतें देशों के बीच टकराव पैदा करके स्वार्थ साधने की ताक में रहती है। भारत के लिए तो और भी ज्यादा सजग रहने की जरूरत है क्योंकि भारत के सभी पड़ोसी देशों की स्थितियां शांतिपूर्ण नहीं रह गई हैं। ले-दे के बांग्लादेश ही बचा था जहां की सरकार के साथ भारत के संबंध सौहार्दपूर्ण थे और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार थी। लेकिन युवाओं को गुमराह करके जनता की एकजुटता को तार-तार कर दिया गया। एकजुटता से ही ऐसे मंसूबों पर पानी फेरा जा सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बढ़ेगी भारत में बेरोजगारी

सनत जैन

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई का प्रयोग बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। विभिन्न उद्योग, मार्केटिंग, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सुरक्षा के क्षेत्र में बहुत क्रांतिकारी परिवर्तन भविष्य में आने वाले हैं। लगभग 10 फीसदी इसका प्रभाव वर्तमान में देखने को मिल रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में रोग की पहचान, दवाइयां और इलाज के संबंध में विस्तृत जानकारी, मरीज की देखरेख एआई के माध्यम से महत्वपूर्ण सेवाएं जल्द शुरू होगी। एआई के माध्यम से टेली मेडिसिन, रिमोट सर्जरी के भी नए आयाम शुरू होंगे। इसमें डॉक्टर नर्स एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी हैं उसमें तकनीकि के माध्यम से बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। अभी जो कमी बनी हुई है, उसे आसानी से पूरा किया जा सकेगा। कृषि के क्षेत्र में भी बहुत बड़े परिवर्तन आने जा रहे हैं। एआई तकनीकी के माध्यम से फसल की उपज, मौसम की भविष्यवाणी, फसलों में लगने वाले कीट और उनका उपचार फसलों की उत्पादकता को बढ़ाने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। कृषि विज्ञान के छात्रों को पढ़ाई में इससे मदद मिलेगी। डेटा उपलब्धता और विविधता के कारण चैट वाटस और वर्चुअल असिस्टेंट में ग्राहकों की सेवाओं को बेहतर बनाया जा सकेगा। रक्षा के क्षेत्र में भी इसका बड़े पैमाने पर उपयोग होना शुरू हो गया है। इस तकनीकी के उपयोग से नैतिक और कानूनी चुनौतियां भी बढ़ेंगी। जिन पर विशेष सतर्कता की जरूरत होगी। एआई तकनीकी के माध्यम से मानव हस्तक्षेप कम होगा। स्वचालित प्रणाली का विकास होगा। ड्रोन और मानव रहित वहां एआई तकनीकी के माध्यम से सैकड़ों संचालित होंगी। एआई तकनीकी का साइबर सुरक्षा में बड़े पैमाने पर उपयोग होगा। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में इस तकनीकी के कारण कई चुनौतियों का सामना करने के लिए भी इस तकनीकी को जानना जरूरी होगा। एआई तकनीकी के माध्यम से सिस्टम स्वयं निर्णय लेता है। जिसके कारण मानव उपयोग कम होगा। रोबोट के माध्यम से विभिन्न सेवाओं के संचालित होने से बेरोजगारी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ेगा। इसका असर लॉजिस्टिक और सप्लाई के क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर होगा। शिक्षा के क्षेत्र में इसका बड़े पैमाने पर उपयोग होगा। छात्र-छात्राओं को मनवांछित जानकारी विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध होगी। परिवहन के क्षेत्र में भी इसी तकनीकी का उपयोग बड़े पैमाने पर होगा। सरकारी नीतियों, प्रशासन और व्यापारिक संगठनों द्वारा भी इसका बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाएगा। कुल मिलाकर एआई तकनीकी भविष्य की सबसे बड़ी जरूरत होगी। रोजगार के क्षेत्र में अब एआई तकनीकी के जानकारों का बोलवाला होगा। पांच दशक पहले जैसे टाइपिंग का ज्ञान होना आवश्यक था। तीन दशक पहले कंप्यूटर का ज्ञान बहुत आवश्यक होता था। अब कंप्यूटर के साथ-साथ एआई तकनीकी को जानना बहुत जरूरी होगा। इसी से रोजगार के अवसर मिलेंगे। एआई की जो नई क्रांति आई है। उसको नजर अंदाज करना अब संभव नहीं होगा। सुव्यवस्थित रूप से इसका इसका उपयोग करने पर भविष्य में बेहतर परिणाम नौकरी, व्यापार, सेवा, उत्पादन इत्यादि के क्षेत्र में होगा। इसके बिना प्रगति संभव नहीं होगी। परिवार, समाज, संगठन और सरकारों को भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए इस बदलाव पर काम करना होगा। एआई तकनीकी के माध्यम से सारी दुनिया के विविधता की जानकारी विभिन्न भाषाओं में कहीं पर प्राप्त की जा सकती है। जिस रूप में और जैसा आप चाहते है, एआई तकनीकी के माध्यम से वह तुरन्त उपलब्ध होती है। जिसके कारण एआई तकनीकी पर दिनों-दिन डिपेंडेंसी बढ़ती चली जाएगी। जिस तरीके से इसके परिणाम वर्तमान में देखने को मिल रहे हैं। उसके बाद ऐसा लग रहा है, भारत जैसे देश में मिडिल की पढ़ाई के साथ में एआई तकनीकी का कोर्स कराने की जरूरत होगी। भविष्य में जिस तरह की प्रतिस्पर्धा दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है। विविधता के साथ विभिन्न विषयों का ज्ञान एक स्थान पर एकत्रित हो चुका है। उसका किस तरह से उपयोग किया जाए, यह बाजारवाद के सिद्धांत पर आधारित होगी। अर्थात मांग और आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए इस तकनीकी के माध्यम से सभी कार्य बेहतर ढंग से बहुत कम समय में कराए जा सकेंगे। इसके लिए दक्ष मानव उपयोग जरूरी होगा। रोबोट एवं अन्य मशीनीकृत व्यवस्था एआई तकनीकी के माध्यम से अधिकांश काम होंगे। जिसके कारण दुनिया के देशों में बेरोजगारी बढ़ने का भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है। तकनीकि एवं संचार माध्यमों में जो परिवर्तन आ रहे हैं। उससे सभी को सजग होने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साध उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

डिजिटलाइजेशनः आसान होती विकसित भारत की राह

रीतेश ओमप्रकाश जोशी

इंडियन इकॉनमीः अ रिव्यू' रिपोर्ट, जिसे सरकार ने अंतरिम बजट पेश करने से पहले जारी किया था, में अर्थव्यवस्था के 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक भारत के विकसित देश बनने की बात कही गई है। सवाल का उठना लाजिम है कि क्या सचमुच यह मुमकिन है, क्योंकि अभी भी भारत विकासशील देश है, और कई चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनमें देश में समावेशी विकास सुनिश्चित करना, गरीबी का खात्मा, आधारभूत संरचना को और मजबूत बनाना, शिक्षा के स्तर में इजाफा, प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी, सभी लोगों को आत्मनिर्भर बनाना आदि शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में नॉमिनल जीडीपी के 7 प्रतिशत रहने की संभावना है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में यह भी संभावना जताई गई है कि भारत की जीडीपी 2030 तक 7 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। एस एंड पी ग्लोबल ने अपनी ग्लोबल क्रेड़िट आउटलुक 2024 रिपोर्ट-'न्यू रिस्क, न्यू प्लेबुक'-में कहा है कि भारत की नॉमिनल जीडीपी 2022 में 3.5 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी। 'द इंडियन इकॉनमीः अ रिव्यू' की रिपोर्ट और एस एंड पी ग्लोबल की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था 2030 तक 7 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ सकती है। ऐसा होता है तो 2030 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 7 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक का हो जाएगा। पुनश्चः 'द इंडियन इकॉनमीः अ रिव्यू' रिपोर्ट के अनुसार भी वित्त वर्ष 2024-25 में लगातार चौथे साल भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 7 प्रतिशत से अधिक रह सकती है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 8.2 प्रतिशत रही।

उल्लेखनीय है कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर 3 प्रतिशत के आसपास है। हमारे देश ने आजादी के सौवें वर्ष यानी 2047 में विकसित देश बनने का सपना देखा है। इसके लिए सूचना प्रौद्योगिकी, औद्योगीकरण, कृषि यंत्रीकरण, यातायात व सुचारु संचार-व्यवस्था, अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि सुविधाओं को बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है। आज आर्थिक विकास के साथ-साथ मानव विकास संबंधी सरोकारों को भी प्राथमिकता देना जरूरी है, क्योंकि विकसित देश बनने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल की आपूर्ति, आत्मनिर्भरता आदि मानकों पर भी हमें खरा उतरना होगा।

बीते महीने दुनिया की नजर फिर भारत की ओर उठी, जब जर्मनी के डिजिटल एवं परिवहन मंत्री वोल्कर विस्सिंग ने भारत में एक सब्जी विक्रेता को यूपीआई से भुगतान किया था। भारत डिजिटल भुगतान की दिशा में दुनिया को रास्ता दिखा रहा है। अन्य देशों में यूपीआई जैसी कोई भुगतान व्यवस्था नहीं है। अमेरिका में फेडनाऊ नाम से भुगतान सुविधा है, लेकिन इसकी प्रणाली अलग है। भारत सरकार ने नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा 2016 में विकसित यूपीआई की तकनीक खंस, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, यूएई, सऊदी अरब, ओमान, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, पाकिस्तान आदि देशों को उपलब्ध कराई है। वैसे तमाम तरह की चुनौतियों के बीच यह कोई अकेला चमकदार पहलू नहीं है।

देश में जनधन खातों की कुल संख्या 52 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। इनमें 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं, और 67 प्रतिशत ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। आंकड़ा दशार्ता है कि वित्तीय समावेशन की राह पर हम तेजी से बढ़ रहे हैं। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में बचत करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, लेकिन साथ में वे थोड़ा खर्च भी करने लगे हैं क्योंकि अब अमेजन, फ्लिप्कार्ट, अजिओ, मिन्त्रा आदि गांवों में भी डिलीवरी कर रहे हैं। सरकार ने 2014 में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए जनधन बैंक खाते खोलने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया था, जिसका उद्देश्य प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) सहित कई वित्तीय सेवाओं को गरीबों के लिए सुलभ बनाना था।

2026 तक देश की जीडीपी में डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान 20 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है। यह 2014 में 4.00-4.5 प्रतिशत था, जो आज बढ़कर 11 प्रतिशत हो गया है। भारत ने तकनीक को न केवल नवाचार के लिए, बल्कि विविध क्षेत्रों में समाधान प्रस्तुत करने के लिए भी अपनाया है, जिससे पिछले कुछ सालों में लोगों के जीवन, परिचालन व्यवस्था, प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, लोकतंत्र के तकनीकी स्वरूप आदि में बदलाव आया है। भारत में जीवन प्रत्याशा, शिक्षा में सुधार, पेयजल की आपूर्ति आदि के संदर्भ में तेजी से कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम स्वनिधि, सेल्फ हेल्प ग्रुप आदि की मदद से देश में समावेशी विकास को बल मिल रहा है। डिजिटलाइजेशन ने अर्थव्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं को मजबूत करने का काम किया है। आर्थिक, सामाजिक, मानवीय और डिजिटलाइजेशन के मोर्चे पर देश के उम्दा प्रदर्शन को देखते हुए कहा जा सकता है कि भारत 2047 में विकसित देश बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

वेस्ट बैंक में इजरायली हमले में पांच फिलिस्तीनियों की मौत

रामल्लाह , एजेंसी। फिलिस्तीन के उत्तर पश्चिम इलाके तुल्कर्म में इजरायली बमबारी में पांच फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने तुलकर्म इलाके के नूर शम्स कैंप पर हुए इस हमले की जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि इजरायल के इस भीषण हमले के बाद मृतकों के शव को सोमवार को तुल्कर्म के सरकारी अस्पताल में लाया गया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इजरायली आर्मी के प्रवक्ता अविचाय आद्राई ने इजरायली हवाई हमले में नूर शम्स इलाके के एक ऑपरेशन रूम को निशाना बनाए जाने की पुष्टि की है। गाजा पट्टी में लगातार हो रहे इजरायली हमलों और उसका फिलिस्तीन की तरफ से विरोध की वजह से पश्चिमी तट पर इजरायली सेना और फिलिस्तीनियों के बीच हमले और बढ़ गए हैं। बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सचिवालय का मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने दावा किया कि वेस्ट बैंक में हो रहे इजरायली हवाई हमले में औसतन हर दिन एक फिलिस्तीनी की मौत हो रही है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष की शुरुआत के बाद इजरायली हवाई हमलों में अब तक 26 बच्चों सहित करीब 128 फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। साथ ही इजरायली अधिकारियों के मुताबिक इस संघर्ष में करीब 19 इजरायलियों की भी मौत हुई है। बता दें कि फिलिस्तीन के तुल्कर्म इलाके में स्थित नूर शम्स कैंप को इजरायली डिफेंस फोर्सेज कई बार अपना निशाना बना चुकी है। फिलिस्तीन के रेड क्रिसेंट अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों की सेवा और आपातकालीन चिकित्सा सहायता मुहैया कराने वाली सोसायटी रेड क्रिसेंट के मुताबिक, इससे पहले अप्रैल महीने में एक इजरायली हमले में भी करीब 14 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हुई थी। इसके अलावा जुलाई महीने में, इजरायली सेना ने नूर शम्स इलाके की मुख्य सड़क को 15 घंटे तक चले छापे के दौरान बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था।

नाइजीरियाई राष्ट्रपति ने की नए खुफिया और सीक्रेट पुलिस प्रमुखों की नियुक्ति

अबुजा , एजेंसी। नाइजीरिया में नई सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रपति बोला अहमद अदेकुनले टीनुबु ने नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (एनआईए) और डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट सर्विसेज (डीएसएस) में नए चीफ की नियुक्ति की है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, नाइजीरिया के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता अजुरी नेगेलाले ने राष्ट्रपति द्वारा पुराने प्रमुखों के इस्तीफे के बाद नई नियुक्तियों के बारे में जानकारी दी। देश के अनुभवी राजनयिक मोहम्मद मोहम्मद को नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। वह एक अनुभवी राजनयिक हैं जिन्होंने 1995 में एनआईए में शामिल होने के बाद से विदेश सेवा में काफी समय बिताया है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि उनका व्यापक अनुभव एजेंसी के अभियानों के लिए नए दृष्टिकोण लाएगा। इसके अलावा अदेओला अजाई को खुफिया पुलिस का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उनके लंबे करियर में इस सीक्रेट सर्विस में काम करने का गहरा अनुभव है। अजाई के एजेंसी में गहरे अनुभव और उनके काम करने के तरीके को देश की सुरक्षा संबंधी खतरों के खिलाफ महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रपति टीनुबु ने इन दोनों एजेंसियों के महानिदेशकों को नियुक्तियों के साथ इन एजेंसियों की प्रभावशीलता बढ़ाने की जिम्मेदारी भी सौंप दी। नाइजीरियाई राष्ट्रपति ने इन नियुक्तियों के महत्व पर जोर देते हुए नए सुरक्षा प्रमुखों से आग्रह किया कि वे फ्रबेहतर परिणामों के लिए दोनों खुफिया एजेंसियों को पुनः स्थापित करने के लिए अथक प्रयास करेंफ्र, साथ ही उन्होंने नाइजीरिया के सुरक्षा मुद्दों, जिसमें उग्रवाद, डकैती और विभिन्न क्षेत्रों में हिंसा के अन्य रूप शामिल हैं, से निपटने में खुफिया जानकारी की महत्वपर्ण भमिका को रेखांकित किया।

भारी बारिश के कारण टूटा बांध, कई लोगों की गई जान और दर्जनों लापता

खार्तूम , एजेंसी। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि पूर्वी लाल सागर राज्य में भारी बारिश के कारण एक बांध टूट गया है, जिसके कारण कई लोग मारे गए हैं और लापता हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को एक बयान जारी करते हुए बताया कि अरबात बांध टूट गया था और प्रभावित लोगों की सहायता के लिए संसाधनों को क्षेत्र में भेजा गया है। बयान के अनुसार, बांध टूटने के कारण आई बाढ़ में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है, लेकिन कितने लोग लापता हैं, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि उन्हें लगता है कि कम से कम 60 लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग लापता हैं। लाल सागर राज्य के सिंचाई विभाग के प्रमुख अमर ईसा ताहिर ने कहा कि बांध टूटने से हुए नुकसान की मात्रा बहुत अधिक है।

संयुक्त राष्ट्र ने समुद्र के तापमान में हो रही वृद्धि को लेकर चेताया, कहा- जलस्तर बढ़ने से बाढ़ आने का खतरा बढ़ा

टोंगा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने प्रशांत महासागर क्षेत्र में स्थित टोंगा से दुनियाभर को एक चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि प्रशांत द्वीप समूह में समुद्र का तापमान दुनिया भर में तीन गुना दर से बढ़ रहा है। यहां की आबादी बढ़ते समुद्री स्तर के प्रभाव से विशेष रूप से प्रभावित हो रही है। वहीं, उन्होंने देशों की सरकारों से समुद्रों की रक्षा करने और जलवायु कार्रवाई में तेजी लाने का आग्रह किया।

टोंगा में हो रहा प्रशांत द्वीप समूह फोरम : बता दें, फिलहाल टोंगा में प्रशांत द्वीप समूह फोरम आयोजित किया जा रहा है। इसी में शामिल होने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव यहां पहुंचे हुए हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान अहम रिपोर्ट पर भी प्रकाश डाला, जिसमें बताया गया कि दक्षिण-पश्चिम प्रशांत क्षेत्र समुद्र जलस्तर वृद्धि से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। कुछ स्थानों पर यह वृद्धि पिछले 30 वर्षों में वैश्विक औसत से दोगुने से भी अधिक है।

एसओएस किया जारी : उन्होंने कहा, मैं समुद्र के बढ़ते जलस्तर पर एक वैश्विक एसओएस (सेव अवर सीज यानी अपने समुद्रों को बचाओ) जारी करने के लिए टोंगा में हूं।

समुद्र का बढ़ता जलस्तर तूफान और बाढ़ की गंभीरता को बढ़ा रहे : एंटोनियो गुटेरेस ने आगे कहा, समुद्र का बढ़ता जलस्तर तूफान और तटीय बाढ़ की आवृत्ति और गंभीरता को बढ़ा रहे हैं। बाढ़ तटीय इलाकों के पास रहने वालों को निगल जाती है। मत्स्य पालन को बर्बाद कर देती है और फसलों को भी नुकसान पहुंचता है। इतना ही नहीं बल्कि ताजे पानी को दूषित कर देता है। यह सब घटनाएं प्रशांत द्वीप देशों को गंभीर खतरे में डालता है। उन्होंने कहा कि गर्म होने की स्थिति में जल के आकार में विस्तार होता है। इसलिए महासागर का स्तर बढ़ रहा है।

सभी देशों में स्थिति अलग : सप्ताह भर चलने वाली वार्षिक नेताओं की बैठक में जलवायु परिवर्तन और सुरक्षा पर चर्चा प्रमुखता से हो रही है, जहां प्रशांत द्वीप समूह फोरम के 18 सदस्य मेजबान टोंगा जैसे समुद्र स्तर में वृद्धि से खतरे में पड़े एटोल देशों और दुनिया के सबसे बड़े कोयला निर्यातकों में से एक ऑस्ट्रेलिया को शामिल कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के जीवाश्म ईंधन के निर्यात के बारे में पूछे जाने पर, गुटेरेस ने कहा कि जीवाश्म ईंधन को विश्व स्तर पर चरणबद्ध किया जाना चाहिए। हालांकि, सभी देशों में स्थिति अलग है और ऐसा करने के अलग-अलग तरीके होंगे। विश्व मौसम संगठन द्वारा मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि दक्षिण पश्चिम प्रशांत में समुद्र का तापमान दुनिया भर में दर से तीन गुना तक बढ़ रहा है।

यह उपाय करने की जरूरत : यूएन के शीर्षतम अधिकारी ने विश्व नेताओं से वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में बड़ी कटौती लाने, जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल रोकने और विशाल पैमाने पर जलवायु अनुकूलन के लिए निवेश किए जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है। बढ़ते समुद्री जलस्तर के लिए पूर्ण रूप से मानव जिम्मेदार है और यह संकट जल्द ही एक ऐसे स्तर तक पहुंच जाएगा, जहां से कोई भी सुरक्षा उपाय कारगर साबित नहीं होगा। उन्होंने कहा, अगर हम प्रशांत क्षेत्र को बचाते हैं, तो हम अपनी भी रक्षा करेंगे। दुनिया को हरकत में आना होगा और बहुत देर होने से पहले ही जीवन की रक्षा सुनिश्चित करनी होगी।

यूएन प्रमुख के अनुसार, विश्व भर में औसत समुद्री जलस्तर के बढ़ने की दर अभूतपूर्व ढंग से पिछले तीन हजार वर्षों से बढ़ती जा रही है। इसकी वजह स्पष्ट है- ग्रीनहाउस गैस, जोकि जीवाश्म ईंधन को जलाने से उत्पन्न होती हैं, हमारे ग्रह को जला रही हैं और यह गर्मी हमारे समुद्रों में प्रवेश कर रही है। एक अनुमान के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में वैश्विक तापमान में हुई करीब 90 फीसदी वृद्धि को समुद्रों ने सोख लिया है। गर्म होने की स्थिति में जल के आकार में विस्तार होता है।

भारत-सिंगापुर के बीच हुई दूसरी गोलमेज बैठक, प्रधानमंत्री मोदी के दौरे की तैयार की गई रूपरेखा

सिंगापुर, एजेंसी। भारत और सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्रियों के बीच दूसरा गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही सिंगापुर का दौरा करेंगे। मंत्रियों की गोलमेज बैठक में प्रधानमंत्री मोदी की सिंगापुर यात्रा को लेकर भी चर्चा हुई। सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन ने कहा कि दोनों देशों के मंत्रियों के बीच काफी अच्छी बातचीत हुई और इस चर्चा में इस पर फोकस किया गया कि दोनों देश कैसे डिजिटल, कौशल विकास, स्वास्थ्य सेवाओं, कनेक्टिविटी और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ा सकते हैं। भारत और सिंगापुर के बीच यह दूसरा मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन है। पहली बार साल 2022 में इसका आयोजन किया गया था, तब सिंगापुर के तत्कालीन उप-प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भारत का दौरा किया था। विवियन बालकृष्णन ने कहा कि इस चर्चा में उन्नत विनिर्माण और सेमीकंडक्टर्स के साथ ही विमानन और समुद्री संपर्क जैसे नए क्षेत्रों में भी दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। सिंगापुर के मीडिया के अनुसार, बालकृष्णन ने सोमवार को कहा कि दोनों देश उन्नत विनिर्माण और सेमीकंडक्टर पर सहयोग करना चाहते हैं।

चीन के विमान ने जापान के हवाई क्षेत्र का किया उल्लंघन, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने सोमवार को आरोप लगाया कि चीन की सेना के एक सर्विलांस विमान ने उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। जापान का कहना है कि यह पहली बार है कि चीन के विमान ने उनके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के एक वाई-9 सर्विलांस विमान ने सोमवार की सुबह करीब 11.29 बजे उनके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। चाइनीज जहाज ने नागासाकी के नजदीक दानजो द्वीप के पास जापान की हवाई सीमा में प्रवेश किया। जापानी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चाइनीज विमान करीब दो मिनट तक जापान की सीमा में रहा।

जापान-चीन में बढ़ सकता है तनाव : जापान का आरोप है कि चीन लगातार समुद्री सीमा में उकसावे की कार्रवाई कर रहा है। ऐसे में अब ताजा घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की आशंका है। जापान का कहना है कि चीन के विमान पहले भी दक्षिण पूर्व की सीमा के आसपास चक्कर लगाते रहे हैं, लेकिन यह पहली बार है कि किसी विमान ने जापान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। जापान ने कहा कि उन्होंने चीनी विमान के खिलाफ किसी हथियार का प्रयोग नहीं किया। हालांकि चीन की उकसावे वाली कार्रवाई को देखते हुए जापान ने अपनी पूर्वी सीमा पर लड़ाकू विमानों की तैनाती कर दी है। जापान ने चीन के राजदूत को इसे लेकर समन भी जारी किया है और घटना पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। चीन के विमान और ड्रोन्स पहले भी विवादित सेनकाकू द्वीप पर हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करते रहे हैं। चीन, ताइवान के खिलाफ भी उकसावे की कार्रवाई कर रहा है और कई बार ताइवान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन कर चुका है।

यहां लोगों के बीच कोई बंटवारा नहीं हो सकता, हिंदुओं पर हुए हमले पर बोले मोहम्मद यूनुस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भले ही हिंसा थम गई है, मगर तनाव अभी भी बना हुआ है। इस बीच, देश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अल्पसंख्यकों पर हुए हमले को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसा बांग्लादेश बनाना चाहते हैं, जहां हर कोई बिना डरे हुए अपने धर्म का पालन कर सके और किसी भी मंदिर की रखवाली न करनी पड़े। जन्माष्टमी के अवसर पर हिंदू नेताओं से यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश एक बड़ा परिवार है और प्रत्येक नागरिक के अधिकार को बनाए रखना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा, हमारी जिम्मेदारी हर नागरिक के अधिकारों को स्थापित करना है। हमारा काम हर नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना है। हमारे देश में लोगों के बीच कोई बंटवारा नहीं हो सकता। सभी नागरिक एक समान हैं। अंतरिम सरकार देश के हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एक हिंदू नेता ने बताया कि यूनुस ने सभी के लिए समृद्धि और सद्भाव के लिए भगवान कृष्ण से आशीर्वाद मांगा। इसके अलावा, उन्होंने जलमग्न क्षेत्रों में उत्सवों को मनाने से मना कर दिया और लोगों को राहत साम्रगी व भोजन भेजा। हिंदू नेताओं ने कहा कि मुख्य सलाहकार ने पुराने ढाका में एक मंदिर ढाकेश्वरी मंदिर की यात्रा की।

बलूचिस्तानी सेना और बलूच लड़ाकों के बीच जंग जैसे हालात, छह घंटे में 102 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान पर अब पाकिस्तानी सेना की पकड़ कमजोर होती जा रही है। लगभग पूरे सूबे पर बलूच लड़ाकों ने कब्जा कर लिया है। पाकिस्तान की सेना और बलूच लड़ाकों के बीच जंग जैसे हालात हैं। सेना और विद्रोहियों के बीच जारी जंग में दोनों पक्षों को भीषण नुकसान पहुंचा है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ ऑपरेशन हेरोफ शुरू किया है। बीएलए के एक प्रवक्ता ने दावा किया कि इस ऑपरेशन के शुरू होने के छह घंटों के अंदर 102 पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं।

सैन्य काफिलों पर घात लगाकर हमला करना मकसद : रिपोर्टों के अनुसार, इस ऑपरेशन में बीएलए के मजीद ब्रिगेड के आत्मघाती हमलावर भी शामिल हैं। इसमें पाकिस्तानी सेना के बेला कैंप के बड़े हिस्से पर कब्जा करना और सैन्य काफिलों पर घात लगाकर हमला करना शामिल है। वहीं, पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि उसने अलग-अलग जगहों पर मुठभेड़ में 21 आतंकवादियों को मार गिराया है।

मिलिट्री बेस के एक बड़े हिस्से पर छह घंटों से कब्जा : जीयंद बलूच ने एक बयान में बताया कि बेला में मिलिट्री बेस पर किए गए हमले में 40 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। बीएलए के फिदायीन यूनिट ने मिलिट्री बेस के एक बड़े हिस्से पर पिछले छह घंटों से कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, बलूच लिबरेशन आर्मी ने कहा कि मिलिट्री

बेस पर अभी तक सभी फिदायीन सुरक्षित हैं और हमारे संपर्क में हैं। इससे लगता है कि बीएलए लड़ाके आर्मी कैंप में हैं और दुश्मन के खिलाफ आगे बढ़ रहे हैं।

झड़पों में 62 सैनिक मारे गए : बीएलए लड़ाकों ने सभी हाइवे पर चेक प्वाइंट बना लिया है और अपना अधिकार जमा लिया है। इस ऑपरेशन में बलूच आर्मी का फतह स्क्वाड और स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशन स्क्वाड शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि अब तक नाकाबंदी के दौरान हुई झड़पों में 62 से अधिक सैनिक मारे गए हैं। इस तरह से अभी तक 102 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हुई है। बीएलए ने कहा है कि इस अभियान के दौरान सेना, लेवी और पुलिस के 22 से अधिक सदस्यों को पकड़ा गया है। बयान में कहा गया है कि चेक प्वाइंट पर दुश्मनों की पहचान करके उनको मारा गया है।

सुरक्षा चौकियां नष्ट हुईं : बलूच लिबरेशन आर्मी ने कहा कि रविवार की रात को बीएलए हमलावरों ने मिलिट्री बेस के मेन गेट और सुरक्षा चौकियों पर विस्फोटक से लदे दो वाहनों में विस्फोट किया, जिससे सुरक्षा चौकियां नष्ट हो गई हैं। इसके बाद मजीद ब्रिगेड के फिदायीन लड़ाके बेला मिलिट्री कैंप में घुसे और 40 से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया।

तुलसी गबार्ड ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए ट्रंप का समर्थन किया, कहा- दुनिया परमाणु युद्ध के कगार पर है

वाशिंगटन, एजेंसी। 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ने वाली पूर्व अमेरिकी कांग्रेस महिला तुलसी गबार्ड ने नवंबर में आगामी राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन की घोषणा की है। द हिल की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

तुलसी ने मिशिगन में नेशनल गार्ड एसोसिएशन की एक सभा की घोषणा की, जहां ट्रम्प भी बोल रहे थे। तुलसी ने कहा, ÷इस प्रशासन के कारण हमें दुनिया भर के क्षेत्रों में कई मोर्चों पर कई युद्धों का सामना करना पड़ रहा है, और हम पहले से कहीं अधिक परमाणु युद्ध के कगार पर हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'यही कारण है कि मैं पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को व्हाइट हाउस में वापस भेजने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हूं, जहां वह एक बार फिर हमारे कमांडर-इन-चीफ के रूप में हमारी सेवा कर सकते हैं।' गबार्ड ने 2020 में डेमोक्रेटिक प्राइमरी में एक असफल राष्ट्रपति अभियान चलाया। इसके बाद, वह कांग्रेस से बाहर हो गईं और डेमोक्रेटिक पार्टी भी छोड़ दीं।

हालांकि बाद में वह कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस जैसे कार्यक्रमों में दिखाई दीं थीं।

कमला हैरिस पर डिबेट में भारी पड़ी थीं तुलसी : अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार चरम पर है और डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस मतदाताओं को अपने-अपने पक्ष में लुभाने में जुटे हैं। इस बीच अब सभी की निगाहें 10 सितंबर को होने वाली डिबेट पर लगी हैं, जिसमें पहली बार डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच मुकाबला होगा और दोनों विभिन्न मुद्दों पर अपनी-अपनी राय पेश करेंगे। खबर आ रही है कि डिबेट के लिए तुलसी गबार्ड, डोनाल्ड ट्रंप की तैयारी करा रही हैं। गौरतलब है कि साल 2019 में तुलसी गबार्ड ने ही कमला हैरिस को एक डिबेट में बुरी तरह से पछाड़ा था।

डिबेट की तैयारी में जुटे हैं डोनाल्ड ट्रंप : कमला हैरिस के सामने पहले प्रेसिडेंशियल डिबेट को ट्रंप पूरी गंभीरता से ले रहे हैं। ट्रंप चाहते हैं कि जिस तरह से पहली डिबेट में उन्होंने जो बाइडन को पछाड़ा था, उसी तरह से वह कमला हैरिस को बहस में पछाड़कर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश करेंगे। यही वजह है कि ट्रंप डिबेट की तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, पूर्व डेमोक्रेट सांसद तुलसी गबार्ड इस काम में ट्रंप की मदद कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तुलसी गबार्ड, ट्रंप के घर और प्राइवेट क्लब मार ए लागो में पूर्व राष्ट्रपति को डिबेट की तैयारी करा रही हैं।

अमेरिका के सिएटल हवाई अड्डे पर इंटरनेट सेवाएं तीसरे दिन भी बाधित, अधिकारी-यात्री परेशान

न्यूयार्क, एजेंसी। साइबर हमले के कारण अमेरिका के सिएटल-टैकोमा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इंटरनेट, फोन, ईमेल और अन्य संचार सेवाएं सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी बाधित रहीं। हवाई अड्डे के अधिकारी हमले की जांच और सेवाएं बहाल करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। हवाई अड्डे के उड्डयन प्रबंध निदेशक लांस लिटल ने रविवार को पत्रकार वार्ता में कहा, ''हम आवश्यक सेवाओं को बहाल करने और यात्रियों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं।लिटल ने कहा कि हवाई अड्डे के अधिकारी परिवहन सुरक्षा प्रशासन और सीमा शुल्क एवं सुरक्षा विभाग सहित अन्य संघीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि सेवाएं किस हद तक प्रभावित हुई हैं, लेकिन लिटल ने स्पष्ट किया कि इससे यात्रियों की जांच करने की टीएसए की क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ा है। डेल्टा और अलास्का एयरलाइंस सहित कुछ विमानन कंपनियों ने साइबर हमले से सेवाएं प्रभावित होने से इनकार किया। हालांकि, हमले से सिएटल हवाई अड्डे के बैगेज सॉर्टिंग सिस्टम के प्रभावित होने की खबर है, जिसके चलते हवाई अड्डे के अधिकारियों को यात्रियों को सामान की जांच करने से बचने की सलाह जारी करनी पड़ी, ताकि अनावश्यक देरी से बचा जा सके।

अधिकारियों ने यात्रियों को अतिरिक्त समय लेकर हवाई अड्डे के लिए निकलने की सलाह भी जारी की। उसने यात्रियों से कहा कि वे 'बोर्डिंग पास और बैग टैग हासिल करने के लिए विमानन कंपनियों के मोबाइल ऐप्लीकेशन का इस्तेमाल करें। अधिकारियों ने रविवार को फेसबुक पर लिखा, ''हवाई अड्डे की टीमें सभी सेवाओं को बहाल करने की दिशा में काम कर रही हैं, लेकिन इसमें कितना समय लगेगा, यह अभी नहीं बताया जा सकता।

राष्ट्रपति मैक्रां ने वामपंथी सरकार को किया खारिज, देश में अस्थिरता का बढ़ा खतरा

पेरिस, एजेंसी। जुलाई में फ्रांस में हुए आम चुनाव में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला, जिसके चलते फ्रांस राजनीतिक गतिरोध के बीच फंस गया है। अब फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां ने वामपंथी सरकार के नाम की घोषणा करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह संस्थागत स्थिरता के लिए खतरा होगा। जुलाई में हुए चुनाव के बाद से मैक्रां लगातार नए प्रधानमंत्री की तलाश कर रहे हैं। वामपंथी गठबंधन सबसे प्रमुख दावेदार है क्योंकि संसद में उन्हें ही सबसे ज़्यादा सीटें मिली हैं। हालांकि वामपंथी बहुमत के आंकड़े से दूर हैं।

वामपंथी सरकार का दावा खारिज : राष्ट्रपति ने धुर-दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन और अन्य राजनीतिक नेताओं के साथ बातचीत के बाद वामपंथी सरकार के दावों को खारिज कर दिया। शुक्रवार से, मैक्रां ने पार्टी नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है, ताकि एक सर्वसम्मत उम्मीदवार मिल सके, जिसे अविश्वास मत में तुरंत बाहर नहीं किया जा सके। मैक्रां ने एक बयान में कहा, मेरी ज़िम्मेदारी है कि देश अवरुद्ध न हो और न ही कमज़ोर हो।

जुलाई में हुए आम चुनाव में किसी पार्टी को नहीं मिला था स्पष्ट बहुमत : फ्रांस में जुलाई में हुए आम चुनाव में 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) गठबंधन के पास सबसे ज्यादा 190 सीटें हैं, उसके बाद मैक्रां के मध्यमार्गी गठबंधन के पास लगभग 160 सीटें हैं और दक्षिणपंथी नेता ले पेन की नेशनल रैली के पास 140 सीटें हैं। एनएफपी ने खास तौर पर गठबंधन में शामिल कट्टर वामपंथी फ्रांस अनबोएड

(एलएफआई) ने सरकार बनाने के अपने अधिकार की मांग की है। पार्टी ने तर्क दिया कि चूंकि उसने सबसे ज़्यादा सीटें जीती हैं, इसलिए नया प्रधानमंत्री उनका होना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वामपंथी पार्टी ने 37 वर्षीय लूसी कास्टेट्स को अपना उम्मीदवार चुना है।

अस्थिरता बढ़ने का खतरा : वहीं मैक्रों की पार्टी ने रूढ़िवादियों और धुर दक्षिणपंथियों के साथ मिलकर वामपंथी सरकार के खिलाफ अविश्वास मत देने का वादा किया है। मैक्रां ने सोमवार को कहा कि वामपंथी सरकार नेशनल असेंबली में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी अन्य समूहों द्वारा तुरंत सेंसर कर दी जाएगी और इसलिए हमारे देश की संस्थागत स्थिरता के लिए हमें यह विकल्प नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे पार्टी नेताओं और राज्य और प्रतिष्ठित लोगों के साथ बातचीत के बाद कोई फैसला लेंगे। वहीं कट्टर वामपंथी एलएफआई ने मैक्रां के इस फैसले से नाराजगी जाहिर की है। पार्टी के समन्वयक मैनुअल बोम्पार्ड ने मैक्रां की टिप्पणियों को अस्वीकार्य और लोकतंत्र विरोधी तख्तापलट कहा है। एलएफआई नेता जीन-ल्यूक मेलेनचॉन ने एक्स पर पोस्ट किया कि मैक्रां ने असाधारण गंभीरता की स्थिति पैदा की है और उन्होंने जनता और राजनेताओं से दृढ़ और मजबूत प्रतिक्रिया का आह्वान किया है।

दमण और दादरा नगर हवेली में हुआ राष्ट्रीय क्रीडा सप्ताह का आगाज

■ हेड ऑफ स्पोर्ट्स टीम बनी दमण बीच सॉकर स्पर्धा की विजेता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव प्रशासन के युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा मेजर ध्यानचंद की जयंती यानि राष्ट्रीय क्रीड़ा दिवस के उपलक्ष्य में प्रशासक प्रफुल पटेल के दिशानिर्देश में युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के सचिव डॉ. अरुण टी के मार्गदर्शन में और पर्यटन एवं खेल विभाग के निदेशक अरुण गुप्ता के सहयोग से दमण, दीव एवं दादरा नगर हवेली में क्रीडा स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय क्रिया दिवस के उपलक्ष्य में दमण में बीच सॉकर स्पर्धा और दादरा नगर हवेली में हॉकी (पेनाल्टी शूटआउट) एवं टग ऑफ वॉर स्पर्धा का आयोजन 28 अगस्त 2024 को आयोजित किया गया। जिसमें दमण की 12 बीच सॉकर के टीमों ने भाग लिया। बीच सॉकर स्पर्धा फाइनल में अनुभवी हेड ऑफ स्पोर्ट्स टीम की भिडंत यंग हार्ट के टीम के साथ हुई। जिसमें अनुभवी हेड ऑफ स्पोर्ट्स टीम ने कड़े मुकाबले में 05-02 के स्कोर से यंग हार्ट टीम को हरा दिया। 29 अगस्त मेजर ध्यानचंद की जयंती यानि राष्ट्रीय क्रीड़ा दिवस के उपलक्ष्य में युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा दमण में 29 अगस्त 2024 को बीच टग ऑफ वॉर (अन्डर 19, ओपन, मिक्स मेंस एवं वुमेंस) स्पर्धा एवं प्लैंक चैलेंज (ओपन मेंस एवं वुमेंस), 30 अगस्त 2024 को टेनिस क्रिकेट (अन्डर 19 बॉयज), टेबल टेनिस (ओपन मेंस एवं वुमेंस) एवं लंगड़ी (अन्डर 19 गर्ल्स), दादरा नगर हवेली में 29 अगस्त 2024 को फुटसल (अन्डर 19 बॉयज एवं गर्ल्स) एवं बैडमिंटन (अन्डर 19 बॉयज एवं गर्ल्स) और दीव में 29 अगस्त 2024 को वॉलीबॉल (ओपन वुमेंस), 30 अगस्त 2024 को बीच वॉलीबॉल (ओपन मेंस), लेमन रेस (ओपन वुमेंस) एवं सैक रेस (ओपन वुमेंस), 31 अगस्त 2024 को टेबल टेनिस (अन्डर 19 बॉयज एवं ओपन मेंस) का आयोजन किया जा रहा है। मेजर ध्यानचंद जयंती यानि राष्ट्रीय क्रीडा दिवस के उपलक्ष्य में दमण में आयोजित बीच सॉकर स्पर्धा को सफल बनाने के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग दमण के सहायक शारीरिक शिक्षा अधिकारी अक्षय कोटलवार, तालुका खेल संयोजक देवराज सिंह राठोड़ एवं महेश पटेल एवं विभिन्न विद्यालयों के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों ने अपना योगदान दिया।

सोमनाथ ग्राम पंचायत में कानूनी जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण-दीव के एड-हॉक मेम्बर सेक्रेटरी और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दमण श्री श्रीधर एम. भोंसले के मार्गदर्शन में राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन के सहयोग से आज सोमनाथ ग्राम पंचायत में कानूनी जागरुकता कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में वकील स्मिता गोहिल ने उपस्थित सभी का शाब्दिक स्वागत किया और कार्यक्रम की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं और केन्द्र/राज्य एवं यूटी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। वकील वेनिका डी सिल्वा ने यातायात नियमों के बारे में विस्तार से कानूनी जानकारी दी। साथ ही अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान सोमनाथ ग्राम पंचायत के उपसरपंच राजेश पटेल ने भी कानूनी जानकारी दी और लोगों को कानून का लाभ लेने के लिए आ''ान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि कानून जानकारी लेने के लिए लोगों को लीगल ऑफिस पहुंचना चाहिए। इस कार्यक्रम में सोमनाथ पंचायत विस्तार के नागरिक उपस्थित रहे।

डेंगू बुखार के फैलाव को रोकने हेतु वेलनोन पॉलिएस्टर लिमिटेड कंपनी के सभी कर्मचारियों को किया गया प्रशिक्षित

दमण। जिले में मानसून के मौसम में वाहक जन्य रोग जैसे डेंगू बूखार की रोकथाम को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक अभियान शुरू किया है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए आज वेलनोन पॉलिएस्टर लिमिटेड आटियावाड दाभेल के सभागार में सभी कर्मचारी को डेंगू के फैलाव को रोकने हेतु प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण में बताया गया कि डेंगू के फैलाव को रोकने के लिए हमें आपके सहयोग की आवश्यकता है। डेंगू बुखार एक गंभीर बीमारी है जो मच्छरों द्वारा फैलती है। कंपनी के परिसर में अक्सर रुका हुआ पानी होता है जो मच्छरों के पनपने का कारण बन सकता है। इसकी रोकथाम के लिए अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखें और रुके हुए पानी को जमा न होने दें। पुराने टायरों, डिब्बों और अन्य कंटेनरों को फेंक दें या उन्हें उल्टा करके रखें। कंपनी में काम करने वाले श्रमिक पूरी बांह की शर्ट और पैंट पहनें, तथा सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। जिससे इस बीमारी से बचा जा सकता है। इसके अलावा तेज बुखार, शरीर में तेज दर्द (मांसपेशियों और जोड़ों में), सिरदर्द, खासकर आंखों के पीछे दर्द, मिचली और उल्टी, त्वचा पर लाल चकत्ते यह इस बीमारी के सामान्य लक्षण है। इसलिए अगर कोई भी श्रमिक इस तरह से लक्षणों से ग्रसित है तो उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में जाकर खून की जाँच करवाये और अपने आप दवाई न ले, केवल पैरासिटामोल लें, एस्पिरिन और इबुप्रोफेन नहीं। डेंगू बुखार के मरीजों के लिए एस्पिरिन और इबुप्रोफेन खतरनाक हो सकते हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के कर्मचारियों ने कंपनी के सभी हाउस कीपिंग के लोगों को मच्छर प्रजनन स्थलों को नष्ट करने का भी क्षेत्र प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में कंपनी के सभी कर्मचारी को उनकी जिम्मेदारी के बारे में अवगत किया गया तथा उन्होंने भी आश्वस्त किया कि वह अपने कार्यस्थल एवं घर के आसपास साफ रखेंगे एवं डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

दादरा नगर हवेली की 2 अगस्त 1954 मुक्ति पर अंग्रेजी पुस्तक का विमोचन नई दिल्ली में हुआ

सिलवासा। दादरा एवं नगर हवेली का पोर्टुगल शासन से मुक्ति के संदर्भ में दिल्ली के लेखक निलेश कुलकर्णी द्वारा अंग्रेजी में लिखित पुस्तक
अप राईझींग द लिब्रेशन ओफ दादरा एन्ड नगर हवेली का विमोचन आज इंडिया इन्टरनेशनल सेन्टर नई दिल्ली में किया गया है। इस पुस्तक का विमोचन के अवसर पर सीनियर स्वतंत्र सेनानी अरविंद मानोलकर (पूना) मुख्य अतिथि थे और डा. स्वप्ना लीडले विशेष रूप से उपस्थित रहे थे। निलेश कुलकर्णी ने बताया कि रेलवे ट्रेन में सह प्रवासी के नाते उनकी मुलाकात अरविंद मानोलकर से हुई और बातचीत मेउ दादरा एवं नगर हवेली की मुक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। उन्हीं जानकारी को और अन्य जानकारी एकत्रित कर उन्होंने यह पुस्तक लिखा है। उन्होंने पूना के स्वयंसेवक और मुक्ति के लिए धन एकत्रित करने महान गायक लता मंगेशकर और मुहम्मद रफी द्वारा पूना में संगीत कार्यक्रम कर धन एकत्रित करने का अवसर विस्तार से बताया है। दादरा एवं नगर हवेली की मुक्ति में आदिवासी समाज के द्वारा किये काम को पहली बार लोगों के सामने लाया गया है। पोर्टुगल शासन के विरुद्ध घोडे पर सवार होकर आंदोलन करने वाली जतरुबेन धुम का उल्लेख करते समय उन्होंने बताया कि जतरुबेन के घर जहां वो रहती थी वह जानकारी एकत्रित कर रहे थे। तब एक युवती आप हमारे दादी की जानकारी के लिए आये है पूछकर अंग्रेजी में बातचीत करने लगी। बाद में पता चला कि वो एमबीए है और विप्रो कंपनी पूना में नौकरी करती है यह जानकर सुखद आश्चर्य हुआ था।विमोचन के अवसर पर बड़ी तादाद में लोग उपस्थित होकर वार्तालाप में भी लोगों ने हिस्सा लिया था। पूरा कार्यक्रम अंग्रेजी में आयोजित हुआ था और पुस्तक की हिन्दी आवृत्ति का काम भी चल रहा है और उसे सिलवासा से प्रकाशित करने का आयोजन हो रहा है।

मियां मुस्लिम वाले बयान को लेकर असम में अठारह विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम में अठारह विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कहा था कि वह पक्षपात करेंगे और 'मियां' मुसलमानों को असम पर कब्जा नहीं करने देंगे। उनके इस बयान पर विवाद छिड़ा हुआ है। कांग्रेस के नेतृत्व में 18 विपक्षी दलों के संयुक्त मंच ने आरोप लगाया कि हिमंत शर्मा ने समुदायों के बीच नफरत को बढ़ावा दिया है। असम कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा ने कहा, असम में 18 विपक्षी दलों ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से असम के मुख्यमंत्री सांप्रदायिक दंगे भड़काने की कोशिश कर रहे हैं और विधानसभा के अंदर भी संवेदनशील बयान दे रहे हैं। हम राष्ट्रपति को भी पत्र लिखेंगे। हिमंत बिस्वा सरमा नागांव में 14 साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या की घटना की पृष्ठभूमि में राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर विपक्षी दलों के कार्य स्थगन प्रस्ताव के संबंध में विधानसभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित रखा जाता तो अपराध की दर नहीं बढ़ती। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, ''बलात्कार का एक भी मामला स्वीकार्य नहीं है। फिर भी यदि पिछले कुछ साल में बलात्कार के मामलों की संख्या के साथ जनसंख्या वृद्धि पर ध्यान दिया जाए तो अपराध दर कम हो गई है। पिछले 10 साल में बहुत सुधार हुआ है।'' तीखी नोकझोंक के बीच एआईयूडीएफ विधायक रफीकुल इस्लाम ने कहा कि निचले असम के लोग ऊपरी असम के जिलों में जाएंगे क्योंकि यह उनका अधिकार है। उन्होंने कुछ संगठनों के इस फरमान का हवाला दिया कि लोग ऊपरी असम से तुरंत चले जाएं। शर्मा ने जवाब में कहा, ''निचले असम के लोग ऊपरी असम क्यों जाएंगे? ताकि मियां मुस्लिम असम पर कब्जा कर लें। हम ऐसा नहीं होने देंगे।''

बारिश से गुजरात में त्राहिमाम!

नई दिल्ली/ अहमदाबाद, (ईएमएस)। गुजरात में हुई भारी बारिश के चलते अनेक जिलों में बाढ़ के हालात हैं। सेना को बुलाया गया है और अनेक जगहों पर राहत व बचाव कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। बारिश के कारण गुजरात में त्राहिमाम की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने गुजरात और कर्नाटक में भारी बारिश के अलर्ट के साथ ही देश के 17 राज्यों के लिए बारिश होने का अनुमान जताया है। गुजरात में लगातार हो रही बारिश से बुरा हाल है। कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। अनेक शहरों में जलभराव से बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है। इन दिनों मूसलाधार बारिश से अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा, आणंद, मोरबी, खेड़ा समेत तमाम शहरों में जीवन अफरा-तफरी वाला हो गया है। आमजन भारी बारिश की मार झेल रहा है। बारिष से परेशान लोगों का कहना है कि ऐसा लग रहा मानो जल प्रलय के दौर में आ गए हों। बारिश की वजह से अब तक 7 लोगों की मौत होने की खबर है। गुजरात में बाढ़ के चलते अब तक करीब 15 हजार से भी अधिक लोगों को निचली बस्तियों से निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। वहीं करीब 300 लोगों को पानी में डूबने से बचाया गया है। आपात स्थिति को देखते हुए सेना बुलाई गई है, जो कि लगातार बचाव और राहत कार्य में जुटी हुई है। आगामी मौसम के हाल को देखते हुए 6 जिलों में सेना तैनात कर दी गई है। बहरहाल बारिश का खतरा अभी टला नहीं है, क्योंकि मौसम विभाग ने 22 राज्यों में आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया हुआ है। भारी बारिश के चलते वडोदरा के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। भीषण बारिश के चलते यातायात तो ठप हो ही गया है, लेकिन इसके साथ ही जन-जीवन भी पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक, गुजरात में अब तक औसत वार्षिक वर्षा का करीब 100 फीसदी पानी बरस चुका है। कच्छ, सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात जिले में औसत वार्षिक वर्षा से 100 फीसदी से अधिक बारिश हो चुकी है। देश के अनेक हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी है। मॉनसून की तेज रफ्तार उत्तर पश्चिम से लेकर पूर्वोत्तर तक मूसलाधार बारिश करवा रही है। दिल्ली, राजस्थान, गुजरात से लेकर महाराष्ट्र में भी बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। मॉनसून आने के साथ ही इन क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश के चलते हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। कहीं पर रेड अलर्ट है तो कहीं येलो अलर्ट। अब लोग बारिश थमने की प्रार्थना और दुआएं करते देखे जा रहे हैं। बारिश के चलते स्कूलों की छुट्टियां करनी पड़ रही हैं और लोगों को बिना जरूरत घर से बाहर न निकलने की चेतावनी दी गई है। राजस्थान और गुजरात में बारिश ने तांडव मचाया हुआ है। बारिश के चलते लोगों का जीना मुहाल हो गया है। बारिश से हर तरफ त्रहिमाम मचा हुआ है। देश के 17 राज्यों जिनमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, असम, ओडिशा, मेघालय, तेलंगाना, नगालैंड, हिमाचल प्रदेश केरल और पंजाब शामिल हैं में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त जम्मू-कश्मीर, पुडुचेरी और अंडमान निकोबार में भी भारी बारिश का अनुमान है।

प्रख्यात उद्योगपति रतन टाटा को उनके निवास पर जाकर सौंपा प्रतिष्ठित अणुव्रत पुरस्कार

इन्दौर (ईएमएस)। अणुव्रत विश्व भारती द्वारा दिया जाने वाला प्रतिष्ठित अणुव्रत पुरस्कार वर्ष 2023 के लिए देश के प्रख्यात उद्योगपति एवं समाजसेवी रतन टाटा को उनके मुंबई स्थित निवास पर भेंट किया गया। उन्हें स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं 1.51 लाख रु. की राशि भी भेंट की गई। अणुव्रत समिति इन्दौर के अध्यक्ष मनीष कठोतिया एवं कमलेश सामोता ने बताया कि सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश नाहर, महामंत्री भीखम सुरणा, मुंबई के कस्टम कमिश्नर अशोक कुमार कोठारी, अणुव्रत विश्व भारती की उपाध्यक्ष विनोद कुमारी एवं सहमंत्री मनोज सिंघवी भी उपस्थित थे। उद्योगपति टाटा को इस अवसर पर मानव जाति के लिए उनके द्वारा किए गए सकारात्मक योगदान की प्रशंसा करते हुए उन्हें दुनिया में मानवीयता का श्रेष्ठ उदाहरण बताया। उन्हें अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण की ओर से भी मंगल कामनाएं व्यक्त करने के साथ उनके श्रेष्ठ स्वास्थ्य की कामना भी व्यक्त की गई। उद्योगपति टाटा ने अणुव्रत अनुशास्ता के प्रति अपना हार्दिक आदर एवं सम्मान व्यक्त किया। अणुव्रत समिति इन्दौर सहित देश के सभी जिलों की समितियों की ओर से टाटा को यह सम्मान प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि गत 75 वर्षों से गतिमान अणुव्रत आंदोलन सदभावना के क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियां चला रहा है। आचार्य तुलसी द्वारा प्रणीत यह आंदोलन संयुक्त राष्ट्र संघ तक अपनी पहचान बना चुका है। अब तक इस पुरस्कार से देश के अनेक गणमान्य व्यक्ति सम्मानित हो चुके हैं, जिनमें आत्माराम, जैनेन्द्र कुमार, शिवाजी भावे, शिवराज पाटिल, नीतिश कुमार, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, डॉ. मनमोहनसिंह, टी.एन. शेषन एवं प्रकाश आमटे भी शामिल हैं। अब रतन टाटा का नाम भी इसमें शामिल हो गया है। इस मौके पर अणुविभा की ओर से टाटा को अणुव्रत साहित्य, विभिन्न पत्रिकाओं के विशेषांक भेंटकर अणुव्रत द्वारा चुनाव शुद्धि अभियान, अणुव्रत डिजीटल डिटाक्स, एलिवेट, पर्यावरण जागरुकता, नशामुक्ति, जीवन विज्ञान आदि विषयों पर आधारित पुस्तकें भी भेंट की गई। अत्यंत उदारता और विनम्रता के साथ टाटा ने मानव समाज की भलाई के लिए अणुव्रत आंदोलन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

आईसीसी रैंकिंग: कोहली और जायसवाल की टेस्ट रैंकिंग में सुधार, रोहित छठे स्थान पर खिसके

दुबई (एजेंसी)। सीनियर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार को जारी नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गए जबकि उनके कप्तान रोहित शर्मा एक स्थान के नुकसान से छठे पायदान पर हैं।

रोहित और कोहली के अलावा युवा यशस्वी जासयवाल भी बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं। वह एक स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट श्रीलंका के खिलाफ मैनचेस्टर में अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड में 56 और 32 रन की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के हैरी ब्रूक तीन स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और रोहित को पीछे छोड़ा।

बाबर को छह स्थान का नुकसान हुआ है और वह संयुक्त तीसरे से नौवें स्थान पर खिसक गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ रावलपिंडी में पहले टेस्ट में वह नाकाम रहे थे। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान पहले टेस्ट में शतक की बदौलत सात स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम भी सात स्थान के फायदे से करियर की सर्वश्रेष्ठ 17वीं रैंकिंग पर हैं। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा क्रमशः तीसरे और सातवें स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स (चार स्थान के फायदे से 16वें स्थान पर) और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिता फर्नांडो (10 स्थान के फायदे से 17वें स्थान पर) को रैंकिंग में फायद हुआ है जबकि पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह (चार स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर) और इंग्लैंड के गस एटकिंसन (चार स्थान के फायदे से 42वें स्थान पर) ने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की है। ऑलराउंडरों की सूची में जडेजा और अश्विन शीर्ष दो स्थान पर हैं जबकि अक्षर पटेल छठे पायदान पर हैं।

आईसीसी के नये चेयरमैन बने जय शाह की राह आसान नहीं

-चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर पीसीबी की मांग से निपटना होगा

मुम्बई (एजेंसी)। जय शाह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नए चेयरमैन बन गये हैं पर उनके लिए राह आसान नहीं रहेगी। जय शाह को एक दिसंबर से आईसीसी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालनी होगी। इसके बाद उनके सामने सबसे कठिन चुनौती अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन रहेगी। उनके आईसीसी प्रमुख रहते हुए पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने की मांग करेगी। वहीं पाक के राजनीतिक हालातों को देखते हुए भारतीय टीम के पाक जाने की कोई संभावना नहीं है।

अगर भारत सुरक्षा कारणों से अपनी टीम पाक भेजने से इंकार करता है और बाकी टीमें वहां आने को तैयार हैं, तो फिर यह मामला आईसीसी के पास जाएगा। ऐसे में पीसीबी आईसीसी से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शिकायत करेगा। तब शाह को तटस्थ रहते हुए इस पर अपना फैसला देना होगा जो आसान नहीं रहेगा।

जय शाह बीसीसीआई सचिव के साथ-साथ एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चेयरमैन भी रहे हैं। एसीसी चेयरमैन रहते हुए उन्होंने एशिया कप 2023 की मेजबानी के लिए हाइब्रिड मॉडल का समर्थन किया था। इसके चलते पाक को अपनी मेजबानी के कुछ मैच श्रीलंका की सह मेजबानी में कराने पड़े थे। अब यह देखना होगा कि जय शाह आईसीसी चेयरमैन के तौर पर इस बार हालातों का किस प्रकार सामना करते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल में ही होने की संभावना है। इस मॉडल के तहत टूर्नामेंट का मेजबान पाकिस्तान ही रहेगा पर भारतीय टीम के मैच किसी अन्य स्थल पर होंगे।

इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम पर बोले अश्विन, इससे खेल निष्पक्ष हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि आईपीएल में इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम ने खेल को निष्पक्ष बनाया है और इससे रणनीति का महत्व बढ़ा है। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने इस नियम की आलोचना की है क्योंकि उनका मानना है कि इससे हरफनमौलाओं का विकास रूकेगा तथा गेंद और बल्ले के बीच संतुलन भी नहीं रहेगा। यह नियम आईपीएल 2023 से लागू किया गया जिसमें सभी टीमें अपनी पारी के दौरान एक खिलाड़ी (बल्लेबाज या गेंदबाज) को सब्स्टीट्यूट कर सकती हैं।

अश्विन ने भारत के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत के तमिल यूट्यूब शो में कहा, 'मुझे लगता है कि यह नियम उतना बुरा नहीं है क्योंकि इससे रणनीति का महत्व बढ़ता है।' ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने शो के हवाले से कहा, 'दूसरा पक्ष यह है कि इससे हरफनमौलाओं को प्रोत्साहन नहीं मिलता। लेकिन उन्हें कौन रोक रहा है। इस पीढ़ी में वे ऐसा नहीं करते हैं (बल्लेबाज गेंदबाजी करें या गेंदबाज बल्लेबाजी)।' उन्होंने कहा, 'इंपैक्ट खिलाड़ी का नियम उन्हें हतोत्साहित नहीं करता। वेंकटेश अय्यर को देखिए, वह लंकाशर के लिए इस समय शानदार प्रदर्शन कर रहा है। नए प्रयोग के लिए मौका है और इससे खेल निष्पक्ष बनता है।' अश्विन ने कहा कि ओस होने पर इस नियम से खेल में संतुलन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'जब ओस के कारण मैच एकतरफा हो जाते हैं तो बाद में गेंदबाजी करने वाली टीम के पास जवाब में अतिरिक्त विकल्प रहता है। अगर आप बाद में बल्लेबाजी कर रहे हैं तो अतिरिक्त गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को उतारा जा सकता है। इससे शाहबाज अहमद, शिवम दुबे, ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों को मौके मिले हैं।'

इस बार सुपर जायंट्स की कप्तानी नहीं करेंगे राहुल , क्रुणाल और पूरन बने दावेदार

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की टीम आईपीएल के अगले सत्र में विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को टीम में बरकरार रख सकती है पर उन्हें कप्तानी शायद ही मिले। इसका कारण ये है कि राहुल स्वयं ही कप्तानी छोड़ना चाहते हैं जिससे कि अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान दे सकें। ऐसे में टीम की कप्तानी क्रुणाल पांड्या या निकोलस पूरन में से किसी एक को मिल सकती है। इसी को लेकर हाल ही में सीईओ संजीव गोयनका ने एक बैठक भी रखी थी। इसमें किन खिलाड़ियों को बनाये रखना है और किसे नहीं जैसी बातों पर

विचार हुआ था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोयनका को राहुल पर पूरा भरोसा है और उन्हें खिलाड़ी के तौर पर बरकरार रखा जाएगा, पर वह टीम की कप्तानी करते नजर नहीं आएंगे।गोयनका ने कहा, हम अभी भी कप्तानी के विकल्प पर विचार कर रहे हैं, लेकिन बीसीसीआई द्वारा खिलाड़ियों को बरकरार रखने की शर्तों पर सहमति जताए जाने के बाद हमारे पास दो खिलाड़ी क्रुणाल और पूरन कप्तानी की दौड़ में शामिल हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल ने गोयनका से मुलाकात की और इसके बाद ही वह दलीप ट्रॉफी के लिए अभ्यास शुरू करने के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के लिए रवाना हुए। राहुल शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ए की ओर से खेलेंगे। आईपीएल के पिछले सत्र में राहुल की गोयनका से बहस हुई थी जिसके बाद से ही ये अटकलें थीं कि वह इस बार किसी और टीम से खेल सकते हैं।

इंग्लैंड के क्रिकेटर डेविड मालन ने संन्यास लिया

लंदन। इंग्लैंड के आक्रामक क्रिकेटर डेविड मालन ने खेल को अलविदा कह दिया है। विश्व के पूर्व नंबर 1 बल्लेबाज मालन ने विभिन्न प्रारूपों में 100 से अधिक मैच खेले है। इस दौरान उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। मालन ने जून 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी20 खेला। इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड की ओर से अपने पहले ही मैच में 44 गेंदों पर 78 रन बनाए। उन्होंने 62 टी20आई में 1892 रन बनाए। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 103 रन रहा। मालन को इंग्लैंड के लिए अपना पहला एकदिवसीय खेलने आ अवसर 2019 में मिला। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने करियर में 30 एकदिवसीय खेले जिसमें उन्होंने 55.76 की औसत और 97.44 की स्ट्राइक रेट से 1450 रन बनाए। उन्होंने जून 2022 और सितंबर 2023 के बीच 15 पारियों में पांच शतक बनाए। मालन सितंबर 2020 में टी20आई क्रिकेट के लिए आईसीसी की बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे। इसके बाद मार्च तब इस बल्लेबाज ने केवल 24 पारियों में इस प्रारूप में 1000 रन बना दिये। वह 2022 में इंग्लैंड की विश्व कप विजेता टीम में भी शामिल थे पर चोटिल होने के कारण बाहर हो गये थे।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में ब्रैडमैन का शतकों का रिकार्ड तोड़ सकते हैं विराट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास बांग्लादेश के खिलाफ अगले माह घरेलू धरती पर होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन के अलावा जो रूट, केन विलियम्सन और स्टीव स्मिथ के शतकों का रिकार्ड तोड़ने का अवसर है। विराट ने अब तक 113 टेस्ट मैचों में 49.15 की औसत से 8848 रन बनाए हैं, जिनमें 29 शतक भी शामिल हैं। वहीं क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाज माने जाने वाले डॉन ब्रैडमैन ने सबसे पहले 29 शतक का रिकार्ड बनाया था। ऐसे में इस सीरीज में एक शतक लगाते ही विराट ब्रैडमैन से आगे निकल जाएंगे। इसके अलावा अब तक केवल तीन क्रिकेटरों ने ही विराट से ज्यादा शतक लगाए हैं। ये क्रिकेटर हैं जो रूट, केन विलियम्सन और स्टीव स्मिथ। रूट, विलियम्सन और स्मिथ के नाम 32-32 टेस्ट शतक हैं। वहीं टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक शतक की बात करें तो सचिन तेंदुलकर के नाम 51 टेस्ट शतक लगाए हैं। विराट इस सीरीज से आठ महीने बाद कोई टेस्ट में वापसी करेंगे। उन्होंने अंतिम बार जनवरी 2024 में टेस्ट मैच खेला था। उसके बाद से ही वह निजी कारणों से टीम से दूर रहे हैं। वहीं भारत में उन्होंने पिछला टेस्ट मैच मार्च 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। ऐसे में प्रशंसकों को भी लंबे समय बाद लंबे प्रारुप में उनकी बल्लेबाजी देखने को मिलेगी।

लीजैंड लीग क्रिकेट का तीसरा सत्र अगले महीने से, 40 साल बाद कश्मीर में खेलेंगे दिग्गज क्रिकेटर

नई दिल्ली। शिखर धवन और दिनेश कार्तिक समेत कई दिग्गज 20 सितंबर से शुरू हो रहे लीजैंड्स लीग क्रिकेट के तीसरे सत्र में नजर आयेंगे और करीब 40 साल बाद दिग्गज क्रिकेटर श्रीनगर में खेलेंगे। लीग 20 सितंबर को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में शुरू होगी। इसमें छह टीमें 25 मैच खेलेंगी और शीर्ष दो टीमों के बीच फाइनल 16 अक्टूबर को होगा। फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट में 200 खिलाड़ियों का पूल बनाया गया है। इसका फाइनल श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम पर होगा। एलएलसी के सह संस्थापक रमन रहेजा ने कहा, 'लीजैंड्स लीग क्रिकेट का अगला सत्र शुरू होने वाला है। हमें खुशी है कि इस बार कश्मीर में भी मैच होंगे। कश्मीर के लोगों के लिए स्टेडियम में लाइव क्रिकेट देखने का यह 40 साल बाद मिला मौका होगा।' आयोजकों ने कहा कि पिछले सत्र में लीग को भारत में 18 करोड़ लोगों ने देखा। पिछली बार इसमें सुरेश रैना, आरोन फिंच, मार्टिन गुप्टिल, भारत के मौजूदा कोच गौतम गंभीर, क्रिस गेल, हाशिम अमला, रोस टेलर जैसे दिग्गजों ने भाग लिया था। लीग के लिये खिलाड़ियों की नीलामी यहां बृहस्पतिवार को होगी।

गांगुली और द्रविड़ के साथ खेल चुके पूर्व क्रिकेटर ने खोला दर्द का राज, कहा- 'मैं बदनाम हो गया'

मुंबई (एजेंसी)। 1999 की पेप्सी कप त्रिकोणीय सीरीज भारतीय क्रिकेट की एक महत्वपूर्ण घटना थी, जिसमें भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका ने भाग लिया था। इस सीरीज में भारत की हार की कहानी एक नई दिशा में मोड़ लेती है, खासकर ज्ञानेंद्र पांडे के करियर के संदर्भ में। इस सीरीज में भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल मैच खेला गया था, जिसमें भारत को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। ज्ञानेंद्र पांडे, जो कि उस समय भारत के प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे, ने अब इस अनुभव को लेकर खुलासा किया है और बताया है कि किस प्रकार उनका करियर एक कठिन मोड़ पर आ गया।

अपने दर्दनाक अनुभवों के बारे में किया खुलासा

ज्ञानेंद्र पांडे, जिन्होंने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया था, ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने दर्दनाक अनुभवों के बारे में खुलासा किया। पांडे ने बताया कि कैसे 1997 में घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम में चयनित होने की उम्मीद थी। उन्होंने दलीप ट्रॉफी फाइनल में 44 रन बनाए थे और तीन विकेट भी लिए थे। इसके अलावा, देवधर ट्रॉफी में भी उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। उन्होंने नॉर्थ जोन, वेस्ट जोन, और साउथ जोन के खिलाफ प्रभावशाली खेल दिखाया था और चैलेंजर ट्रॉफी में भी महत्वपूर्ण विकेट लिए थे।

इसके बावजूद, उनका अंतर्राष्ट्रीय करियर अपेक्षाकृत छोटा था। पांडे ने बताया कि 1999 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उन्हें जगह मिल सकती थी, लेकिन बीसीसीआई के सचिव जयंत लेले ने उनके चयन में बाधा डाल दी। लेले ने सुझाव दिया था कि अगर अनिल कुंबले को ब्रेक चाहिए तो सुनील जोशी को टीम में शामिल किया जाए। पांडे ने कहा, ÷जयंत लेले को मेरी परफॉर्मेंस देखनी चाहिए थी। मुझे उस समय यह सब समझ नहीं आया, और मुझे लगा कि यह मेरी गलती थी कि मैं उन ट्रिक्स को नहीं जानता था।'

क्रिकेट करियर हुआ समाप्त

ज्ञानेंद्र पांडे ने कहा कि इस घटना के बाद उनका करियर पटरी से उतर गया। उन्होंने यह भी बताया कि मीडिया ने उनकी कहानी को सही तरीके से पेश नहीं किया और कोई भी उनके पक्ष में कुछ नहीं पूछे। इस स्थिति के कारण उन्होंने खुद को बदनाम महसूस किया और उनका क्रिकेट करियर प्रभावी रूप से समाप्त हो गया। पांडे ने कहा, ÷मैं इस बात को ठीक से संभाल नहीं सका और मेरा करियर प्रभावित हो गया। मीडिया ने मेरी सच्चाई को नहीं दिखाया और मेरे बारे में सही जानकारी नहीं दी।÷

आजकल, ज्ञानेंद्र पांडे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में पीआर एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं। हालांकि वह क्रिकेट की दुनिया में अपनी पहचान नहीं बना पाए, लेकिन उनके क्रिकेट करियर के अनुभव और संघर्ष एक महत्वपूर्ण कहानी हैं जो क्रिकेट जगत की कठोर वास्तविकताओं को उजागर करती हैं। पांडे का मामला यह दर्शाता है कि क्रिकेट के चयन और प्रदर्शन से जुड़े फैसले किस प्रकार एक खिलाड़ी के करियर को प्रभावित कर सकते हैं, और कैसे कभी-कभी एक खिलाड़ी की मेहनत और टैलेंट को सही तरीके से सराहा नहीं जाता।

पेरिस 2024 पैरालंपिक गेम्स की भी लाइव-स्ट्रीमिंग करेगा जियोसिनेमा

मुंबई। जियोसिनेमा 28 अगस्त से 8 सितंबर तक फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने वाले पैरालंपिक गेम्स पेरिस 2024 का लाइव-स्ट्रीम करेगा। जियोसिनेमा पर इवेंट के लाइव कवरेज के अलावा स्पोर्ट्स18 टीवी नेटवर्क 12-दिवसीय इवेंट के डेली हाइलाइट्स भी दिखाएगा। बताते चलें वायाकॉम 18 के सभी प्लेटफॉर्म्स पर पेरिस ओलंपिक को 17 करोड़ से अधिक दर्शकों ने 1500 करोड़ मिनट से अधिक देखा था। वायाकॉम18 के स्पोर्ट्स हेड ऑफ मार्केटिंग दमयंत सिंह ने कहा, 'हमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा-एथलीटों की प्रेरक कहानियों को प्रस्तुत करने पर बेहद खुशी है। पैरालंपिक खेलों की प्रस्तुति के साथ ओलंपिक आंदोलन की भावना को आगे बढ़ाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। 84 पैरा-एथलीटों के साथ भारत पैरालंपिक खेलों में अब तक का अपना सबसे बड़ा दल भेज रहा है। 12 खेलों में भाग लेने वाले भारत के चार पैरा-एथलीट अपने-अपने गेम के चैंपियन हैं। इनमें सुमित अंतिल (पुरुष भाला फेंक एफ64), कृष्णा नागर (पुरुष बैडमिंटन एकल एसएच6), मनीष नरवाल (पुरुष शूटिंग 50 मीटर पिस्टल एसएच1) और अवनी लेखरा (महिला 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग स्टैंडिंग एसएच1) शामिल हैं। भारतीय दल में विश्व की नंबर 1 महिला एकल एसएच6 खिलाड़ी निथ्या श्री सुमति सिवन भी शामिल हैं। टोक्यो 2020 भारत के लिए सबसे सफल पैरालिंपिक था जिसमें भारतीय एथलीटों ने पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य सहित रिकॉर्ड 19 पदक जीते थे। जिसमें लेखरा पैरालिंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। दर्शक आज रात भारतीय समयानुसार 11:30 बजे उद्घाटन समारोह और 29 अगस्त दोपहर 12 बजे से पैरालंपिक गेम्स पेरिस 2024 का सीधा प्रसारण देख सकेंगे। दर्शक जियोसिनेमा (iOS और Android) ऐप डाउनलोड करके भी अपने पसंदीदा खेल देख सकेंगे।

भारत ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की, जानें कब होगा पाकिस्तान से मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने 8 से 17 सितंबर तक चीन के हुलुनबुइर में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। मौजूदा चैंपियन की अगुआई दिग्गज ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह करेंगे और उनका साथ अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद उप-कप्तान के तौर पर देंगे। इस टूर्नामेंट में एशिया के शीर्ष हॉकी खेलने वाले देश भारत, कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

टीम में गोलकीपर के तौर पर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा होंगे जबकि डिफेंस में जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित खेलेंगे। राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, मनप्रीत सिंह और मोहम्मद, राहील मिडफील्ड का हिस्सा होंगे, जबकि युवा फॉरवर्ड लाइन हमले का नेतृत्व करेगी जिसमें अभिषेक, सुखजीत सिंह, अरिजीत सिंह हुंदल, उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह शामिल हैं।

टीम की संरचना को अनुभव और युवाओं को सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक चुना गया है। पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले 10 खिलाड़ी इस टीम का हिस्सा हैं। हार्दिक सिंह, मंदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह सहित 5 खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट के लिए आराम दिया गया है।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण अभियान है ताकि हम अपने रैंकिंग अंकों को बढ़ा सकें। पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में हमारे प्रदर्शन के बाद सभी जश्न मनाने के बाद टीम अभी शिविर में लौटी है। पिछले कुछ सप्ताह टीम के लिए सभी प्यार और प्रशंसा के साथ वास्तव में अविश्वसनीय रहे हैं और हमें उम्मीद है कि यह समर्थन हमारे भविष्य के अभियानों के दौरान जारी रहेगा।'

उन्होंने कहा, 'हमारे लिए नया ओलंपिक चक्र एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के साथ शुरू होता है और हम चुनौती के लिए तैयार हैं। जबकि हमने पेरिस में खेलने वाली टीम के कुछ खिलाड़ियों को आराम दिया है, हमने कुछ युवाओं को शामिल किया है जिन्होंने प्रशिक्षण में अच्छा प्रदर्शन किया है और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने का अवसर अर्जित किया है। हमारे पास गुरजोत का अंतरराष्ट्रीय पदार्पण होगा और मेरा मानना है कि यह उन युवाओं के लिए एक शानदार अवसर है जिन्हें चमकने के लिए बुलाया गया है।' एक टीम के तौर पर हम एशियाई महाद्वीप में अपना दबदबा कायम रखना चाहते हैं और खिताब बरकरार रखने के लिए हम चीन जाएंगे।'

भारतीय टीम का शेड्यूल

8 सितंबर, भारत बनाम चीन
9 सितंबर, भारत बनाम जापान
11 सितंबर, भारत बनाम मलेशिया
12 सितंबर, भारत बनाम कोरिया
14 सितंबर, भारत बनाम पाकिस्तान
सेमीफाइनल, 16 सितम्बर
फाइनल, 17 सितंबर

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

गोलकीपर : कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जुगराज सिंह, संजय, सुमित

मिडफील्डर : राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद (उप-कप्तान), मनप्रीत सिंह, मोहम्मद, राहील मौसीन

फॉरवर्ड: अभिषेक, सुखजीत सिंह, अरिजीत सिंह हुंदल, उत्तम सिंह गुरजोत सिंह

अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान यश ढुल की हार्ट सर्जरी हुई, दिल में था छेद

नई दिल्ली। भारत की 2022 अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान यश ढुल ने हृदय की सर्जरी के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की है। एक दशक से अधिक समय तक ढुल के कोच रहे राजेश नागर ने बताया कि शीर्ष क्रम के इस 21 वर्षीय बल्लेबाज को जुलाई के पहले पखवाड़े में सर्जरी करानी पड़ी थी। कोच ने खुलासा किया कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अंडर-23 हाई परफोर्मेंस शिविर के दौरान नियमित स्कैन के दौरान ढुल के दिल में एक छोटा सा छेद पाया गया था। नागर ने बुधवार को कहा, 'यह कोई बड़ी सर्जरी नहीं थी। उसे ठीक होने में लगभग 10 से 15 दिन लगे। वह अपने खेल और फिटनेस के मामले में अभी शत प्रतिशत फिट नहीं है, मैं कहूंगा कि वह लगभग 80 प्रतिशत फिट है, लेकिन पर्याप्त फिट है।' दिल में छेद आमतौर पर जन्म से ही होता है लेकिन आश्चर्यजनक रूप से ढुल के मामले में इसका पता जून-जुलाई में एनसीए में रहने के दौरान चला। नागर ने कहा, 'यह एक छोटा सा छेद था और जन्म से ही था, लेकिन इसका अब पता चला। वह बहुत जल्द अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापस आ जाएगा।' ढुल वर्तमान में पहली दिल्ली प्रीमियर लीग में सेंट्रल दिल्ली किंग्स के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने पांच पारियों में 113.41 के स्ट्राइक रेट से कुल 93 रन बनाए हैं जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 52 रहा है।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन पर विभिन्न सेवाकीय प्रवृतियों से हजारों जरुरतमंदों को मिला लाभ : धर्म और दान से महक उठी मानवता

देश की प्रसिद्ध वायर निर्माता कंपनी पॉलिकेब ने इस बार अनोखी पहल करते हुए दमण में बिल्डिंग निर्माण के श्रमिकों को टिफिन बॉक्स और मिठाईयां बांटी। बस डिपो के पास बडी संख्या में श्रमिकों को सुबह-सुबह में टिफिन एवं मिठाई के रुप में उपहार मिला।

दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल और उनकी धर्मपत्नी दमण-दीव जिला पंचायत की पूर्व प्रेसिडेंट तरुणा पटेल ने सफाईकर्मियों में राशन किट बांटे।

दानह जिला पंचायत की पूर्व प्रेसिडेंट निशा भावर आज दादरा नगर हवेली के खानवेल एवं सिंदोनी में विभिन्न सेवाकीय कार्यों को किया। उन्होंने खानवेल पंचायत में साडी वितरण, पंचायत विस्तार में स्वच्छता अभियान, महिला मंडल द्वारा पूजा-आरती, चौंडा स्कूल में मिठाई वितरण, सिंदोनी स्कूल में शैक्षणिक किट वितरण एवं तिथिभोजन कराया।

स्टेपअप फाउंडेशन प्रेसिडेंट विशाल टंडेल और उनकी टीम ने मोटी दमण सरकारी अस्पताल में फल वितरण किया। आज उन्होंने थाणा पारडी सरकारी स्कूल में तिथिभोजन का भी आयोजन किया था।

दमण जिला पंचायत सदस्य और महिला आत्मनिर्भर अभियान की कन्वीनर फाल्गुनी पटेल ने आज दमण के कई मंदिरों में विशेष पूजा एवं आरती का आयोजन किया था। इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों में स्वंयसेवी संस्था की उनकी साथी महिलाएं बडी संख्या में उपस्थित रही।

सोमनाथ-बी जिला पंचायत सदस्य वर्षिका पटेल ने नंदघर के बच्चों के साथ केक काटा था। सेवाकीय कार्य के तहत वर्षिका पटेल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र की कुछ महिलाओं को उनके परिवार के साथ जुडे रहने के लिए मोबाईल भी भेंट किये।

दमण जिला पंचायत प्रेसिडेंट जागृति पटेल ने आज सफाई कर्मचारियों को राशन किट एवं अन्य जरुरतमंदों को चटाई भेंट की। इस अवसर पर जिला पंचायत उपप्रमुख बाबू पटेल भी उपस्थित रहे।

डीआईए के पूर्व प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल ने उद्योगपति छोटू पटेल एवं राजनीतिक अग्रणी अम्रत पटेल के साथ छोटे-छोटे बच्चों में नोटबुक और चोकलेट का वितरण किया। शैक्षणिक सामग्री और चोकलेट पाकर बच्चें काफी प्रसन्न हुए।

दमण म्युनिसिपल काउंसिल प्रेसिडेंट अस्पी दमणिया और उनकी टीम ने आज अपने सभी सफाई कर्मियों को उपहार दिये। अस्पी दमणिया ने आज गौ सेवा भी की थी। उन्होंने तिथिभोजन का भी आयोजन किया था।

महात्मा गांधी मेमोरियल सोसायटी द्वारा संचालित सार्वजनिक विद्यालय में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन मनाया। आज वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर सोसायटी के चेयरमैन जिज्ञेश जोगी एवं शिक्षणगण भी उपस्थित रहे।

दुनेठा ग्राम पंचायत सरपंच सविता पटेल और संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा ओबीसी मोर्चा के जनरल सेक्रेटरी भरत पटेल ने जिला पंचायत प्रमुख जागृति पटेल और उपप्रमुख बाबू पटेल की उपस्थिति में बच्चों को तिथिभोजन कराया। इस अवसर पर सफाई कर्मचारियों में राशन किट भी बांटे।

दमण की श्रीनाथजी स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन मनाया। इस अवसर बच्चों ने केक भी काटा।

दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन चेयरमैन लखम टंडेल और उनकी टीम ने आज सुबह वृक्षारोपण और सफाई अभियान के साथ सेवा संकल्प को साकार किया।

कचीगाम ग्राम पंचायत सरपंच भरत पटेल और जिला पंचायत सदस्य दिनेश धोडी ने सरकारी स्कूल में तिथिभोजन का आयोजन किया था। आज सफाई कर्मचारियों को राशन किट भी वितरित किया था।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)